राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 13 मई 2026
वर्ष 16, अंक 88, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बेटा सचिवालय में, बाप की दबंगई...03

वंदे मातरम् फिर जन गण मन... विजय के शपथ ग्रहण समारोह में गाया गया राष्ट्रगीत...04

सत्ता संभालते ही एक्शन में विजय...स्टालिन ने बधाई के साथ-साथ दे दी ये चेतावनी

● पूर्व सीएम स्टालिन ने नव-निर्वाचित मुख्यमंत्री विजय को राज्य के 10 लाख करोड़ के कर्ज संबंधी बयान पर सलाह दी है. स्टालिन ने कहा कि जनता से किए वादों को पूरा करना नई सरकार की जिम्मेदारी है, और वित्तीय संकट का बहाना बनाकर लोगों को गुमराह न करें

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके मुखिया एमके स्टालिन ने रविवार को राज्य के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री विजय को शुभकामनाएं दी. इसके साथ ही उन्होंने राज्य की आर्थिक स्थिति को लेकर पिछली सरकार पर आरोप लगाने से बचने की सलाह भी दी. स्टालिन ने कहा कि जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा करना नई सरकार की जिम्मेदारी है और वित्तीय संकट का बहाना बनाकर लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए. दरअसल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद थलापति विजय ने कई बड़े ऐलान किए. उन्होंने 200 यूनिट फ्री बिजली, महिलाओं की सुरक्षा के लिए टास्क फोर्स जैसे कई बड़े वादे किए. इसी दौरान उन्होंने तमिलनाडु पर 10 लाख करोड़ रुपए के लोन का भी जिक्र किया. उनके इस बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन की प्रतिक्रिया सामने आई है।

सरकार के पास पैसा है, जरूरत इच्छाशक्ति की

स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए टीवीके सरकार को शुभकामनाएं दीं.उन्होंने मुख्यमंत्री विजय द्वारा पद संभालते ही किए गए फैसलों और घोषणाओं का स्वागत भी किया. हालांकि, उन्होंने विजय के उस बयान पर आपत्ति जताई जिसमें नई सरकार ने दावा किया था कि पिछली डीएमके सरकार राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़कर गई है।

'यह मत कहिए कि सरकार के पास पैसा नहीं'

स्टालिन ने कहा 'शुरुआत से ही यह मत कहिए कि सरकार के पास पैसा नहीं है. पैसा है, जरूरत जनता को देने की इच्छाशक्ति और बेहतर प्रशासन चलाने की क्षमता की है'. उन्होने कहा कि डीएमके सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में कोविड महामारी, बाढ़ और केंद्र सरकार की कथित उपेक्षा जैसी चुनौतियों के बावजूद कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कीं.उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की कर्ज सीमा निर्धारित मानकों के भीतर है और फरवरी में पेश बजट में राज्य की आर्थिक स्थिति को स्पष्ट रूप से बताया गया था. उन्होंने कहान 'जब आपने चुनाव के दौरान लोगों से वादे किए थे, तब क्या आपको राज्य की वित्तीय स्थिति की जानकारी नहीं थी?

'जनता को भ्रमित करने की कोशिश न करें

डीएमके प्रमुख ने विजय को नसीहत देते हुए कहा कि जनता को भ्रमित करने या असली मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान आप ये कहकर सत्ता में आए थे- मैं जनता से वही वादे करूंगा, इसलिए अब उन्हें उन वादों को पूरा करके दिखाना होगा. उन्होंने कहा 'मुझे विश्वास है कि हमारी तरह आप भी जल्द ही जनता से किए गए वादों को पूरा करने के तौर-तरीके सीख लेंगे. जिन लोगों ने आपको वोट दिया है, उनके साथ-साथ मैं भी यही उम्मीद करता हूं. एक बार फिर, आपके शासन में तमिलनाडु के विकास की यात्रा जारी रहे, इसके लिए मेरी शुभकामनाएं!'

13वें मुख्यमंत्री के रूप में विजय ने ली शपथ

इससे पहले रविवार को विजय ने तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद चेन्नई स्थित सचिवालय में आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाला. इस शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने ये टिप्पणी की. राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विजय और 9 मंत्रियों को शपथ दिलाई थी।

मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय का पहला संबोधन

मुख्यमंत्री बनने के बाद अपने पहले संबोधन में विजय ने कहा कि उनकी सरकार धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित नई राजनीति की शुरुआत करेगी, उन्होंने जनता से वादा किया कि उनकी सरकार झूठे वादे नहीं करेगी और केवल वही आश्वासन देगी जिन्हें पूरा किया जा सके. तमिलनाडु की जनता को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, 'मैं आपको झूठे वादों से कभी धोखा नहीं दूंगा. मैं केवल वही वादा करूंगा जो संभव है'।

डीएमके सरकार पर आरोप विजय ने कहा कि डीएमके सरकार राज्य को 10 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में छोड़कर गई है और सरकारी खजाना खाली कर दिया गया है. उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार 2021 से 2026 तक की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करेगी. टीवीके ने 2026 विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ते हुए 108 सीटें जीतकर तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर किया. इसके साथ ही राज्य में डीएमके और एआईएडीएमके के लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व का अंत हो गया।

मैं खुद एक वकील हूं... भाजपा के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई शुरू

● रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर ममता का ऐलान

● रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान किया है

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी पार्टियों से एकजुट होने की अपील की है. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि बंगाल में आतंक का राज शुरू हो गया है. इसके खिलाफ उनकी नैतिक और राजनीतिक लड़ाई शुरू हो चुकी है. ममता ने कहा कि 'मैं एनजीओ और अन्य सामाजिक संगठनों से भी इस आंदोलन में शामिल होने की अपील करती हूं।' ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने कालीघाट मोड़, मुक्तदल और फायर ब्रिगेड स्टेशन के सामने रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाने के लिए अनुमति मांगी थी. लेकिन तीनों ही जगहों के लिए उन्हें अनुमति नहीं दी गई. उनका सवाल है कि आखिर उन्हें इस बार अनुमति क्यों नहीं दी गई. इसके बाद उन्होंने पार्टी ऑफिस के बाहर जयंती मनाने का फैसला लिया. ममता बनर्जी का कहना है कि यह पूरी तरह से तानाशाही है और टीएमसी को चुप कराने की कोशिश है. ममता ने आगे कहा कि उनका मानना है कि जो लोग निडर हैं, जो सचमुच अपनी मातृभूमि से प्यार करते हैं, वे अपने आप ही एकजुट हो जाएंगे. ममता ने कहा कि 'मैं खुद एक वकील हूं और खुलकर बीजेपी के खिलाफ लड़ाई लड़ूंगी।'

टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि बंगाल में उनके कार्यकर्ताओं पर जुल्म ढाए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि दलित समुदाय की एक 92 वर्षीय महिला उनके साथ रहती है. लेकिन अब उन्हें घर छोड़कर कही और शरण लेनी पड़ी. उस परिवार की एक नई-नवेली दुल्हन को भी बीजेपी ने धमकाया है. उनसे भी घर खाली करा दिया गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के कई अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं के घरों के बाहर गुंडागर्दी हो रही है और पुलिस पूरी तरह से चुप है।

सुरक्षा हटाने पर बीजेपी पर साधा निशाना

ममता बनर्जी ने कहा कि जब 2011 में बंगान में वो सत्ता में आई तो उन्होंने कोई हिंसा नहीं होने दी.किसी को भी परेशान या प्रताड़ित नहीं किया गया. मैंने तत्कालीन निवर्तमान मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की सुरक्षा और हिफाजत सुनिश्चित करने के लिए अपनी खुद की बुलेटप्रूफ कार उनके पास भेजी थी. इतना ही नहीं उन्हें ं+ सुरक्षा भी दी गई थी. लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही उनकी सुरक्षा को तुरंत हटा दिया. इसके अलावा उनकी बहुत सी सेवाओं को बंद कर दिया गया है।

विपक्ष के सभी नेताओं से हुई बात, मिलकर लड़ेंगे

ममता ने आगे कहा कि विपक्ष के सभी राष्ट्रीय नेताओं ने उनसे संपर्क किया है. उनकी सोनिया, राहुल गांधी, खड़गे, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव से बात हुई है.अखिलेश यादव खुद उनसे

मिलने आए थे. उनकी हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल से भी बात हुई है. कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने भी उन्हें फोन किया है. उनके साथ-साथ प्रशांत भूषण और मेनका गुरुस्वामी भी इस लड़ाई में उनके साथ हैं. 'मैं खुद एक वकील हूं. हमारे पास कल्याण बनर्जी जैसे कई अन्य नेता हैं जो यह लड़ाई लड़ेंगे. हमें पता है कि लड़ाई कैसे लड़ी जाती है।'

सांसद महुआ मोइत्रा मामले में बीजेपी को घेरा

ममता बनर्जी ने कहा कि परसो उनकी पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा को कोलकाता से दिल्ली जाने वाले विमान में चढ़ते समय परेशान किया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने उन्हें परेशान किया वे चुनाव में धांधली करने के लिए कोलकाता आए थे. इसके बाद वे वापस लौट रहे थे. ममता बनर्जी ने कहा कि इस घटना के बाद मोइत्रा ने अपनी यात्रा रद्द कर दी और वापस लौट आई. उन्होंने मुझे बताया कि वह उन लोगों के साथ जुबानी बहस में नहीं पड़ना चाहती थीं. उनके पास इस पूरी घटना का वीडियो है. सभी सबूत मौजूद हैं. चिंता मत कीजिए. हम यह लड़ाई लड़ेंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

एएमयू की पूर्व छात्रा आफरीन जाबी ने किया कमाल, पाल्क स्ट्रेट को 7 घंटे 5 मिनट में पार कर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

अलीगढ़। अंतरराष्ट्रीय ओपन वाटर तैराक एएमयू की पूर्व छात्रा आफरीन जाबी ने पाल्क स्ट्रेट को मात्र सात घंटे पांच मिनट में पार कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इसे अब तक का सबसे तेज पाल्क स्ट्रेट तैराकी अभियान माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर की रहने वाली आफरीन जाबी ने श्रीलंका से शनिवार सुबह ने 4.30 बजे तैरना शुरू किया था। दोपहर करीब 11.30 बजे धनुष कोटि (तमिलनाडु) पहुंची। यह करीब 30 किमी का समुद्री रास्ता है। इस सफर में उनकी मां सबीना परवीन और पिता शेख पियार अली वोट पर साथ में थे। अपनी मेहनत, संघर्ष और दृढ़ संकल्प के दम पर यह मुकाम हासिल किया। आफरीन जाबी ने कहा कि छोटे शहर की एक लड़की का विश्व रिकॉर्ड बनाना इस बात का प्रमाण है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। आफरीन ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने माता-पिता को समर्पित करते हुए कहा कि उनकी सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, विश्वास और समर्पण सबसे बड़ी ताकत रहा है। आफरीन के भाई आदिल मोहम्मद ने बताया कि अब वह एएमयू में पढ़ाई नहीं कर रही है। भाई आदिल मोहम्मद ने बताया कि अब वह एएमयू की छात्रा नहीं है। बंगाल में पढ़ाई कर रही है।

देवरिया में नोनापार स्टेशन के पूर्वी ढाले पर सड़क बंद, 36 गांवों की बढ़ीं मुश्किलें

देवरिया। भटनी-वाया नोनापार-संवरेजी-भाटपाररानी मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही शनिवार से नोनापार रेलवे स्टेशन के पूर्वी ढाले पर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया। सड़क की आरसीसी ढलाई के चलते रास्ता बंद होने से आसपास के 36 से अधिक गांवों के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। रेलवे स्टेशन तक पहुंचना और भटनी से भाटपाररानी की यात्रा करना लोगों के लिए मुश्किल भरा हो गया है। बताया जा रहा है कि वर्षों से जर्जर पड़ी इस सड़क के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब निर्माण कार्य शुरू होने पर नोनापार रेलवे स्टेशन के पूर्वी रेलवे ढाले के पास आरसीसी ढलाई का कार्य कराया जा रहा है। इसके चलते इस मार्ग पर वाहनों और पैदल यात्रियों का आवागमन रोक दिया गया है।

मलिहाबाद कूच पर पुलिस का पहरा: अतरौली बॉर्डर पर रोके गए प्रदर्शनकारी

● प्रशासन की चुप्पी से बढ़ा तनाव

...ज्ञापन देने जा रहे लोगों को हरदोई पुलिस ने सीमा पर रोका, भारी पुलिस बल तैनात; प्रदर्शनकारियों ने लगाया जबरन रोकने का आरोप।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरदोई/अतरौली। मलिहाबाद में ज्ञापन देने की घोषणा के बाद शनिवार को हरदोई और लखनऊ की सीमाओं पर भारी गहमागहमी देखने को मिली। लखनऊ की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर हरदोई पुलिस ने सख्त पहरा बिठा दिया, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया। अतरौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी रास्तों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रही और कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर लोगों की आवाजाही रोक दी गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से मलिहाबाद जाकर ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें अतरौली सीमा पर ही रोक दिया। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती के चलते क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई वाहनों की सघन चेकिंग की गई और समूहों में जा रहे लोगों को आगे बढ़ने से रोककर वापस भेजा गया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस बल प्रयोग कर लोगों को रोक रही है, जबकि प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने भी इस कार्रवाई के संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया, जिससे लोगों में असमंजस और नाराजगी बढ़ती गई। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी ने कहा कि, 'हम शांतिपूर्ण ढंग से अपना ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन हमें बिना किसी स्पष्ट आदेश के रास्ते में रोक दिया गया। प्रशासन को बताना चाहिए कि आखिर यह कार्रवाई किस आधार पर की जा रही है। '

इस घेराबंदी का असर आम यातायात पर भी देखने को मिला। घंटों तक राहगीर जाम और चेकिंग में फंसे रहे, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। क्षेत्र में पुलिस की बढ़ी सक्रियता को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं, जबकि प्रशासन की ओर से देर शाम तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। इस मौके पर श्री रामसुचित्र अर्कवंशी, पंकज अर्कवंशी, संजय अर्कवंशी, अशोक अर्कवंशी, संदीप अर्कवंशी, शोभित अर्कवंशी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

51आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 225 सहायिकाओं को बांटे स्मार्टफोन

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लाक परिसर में बुधवार को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के द्वारा आयोजित 51 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 225 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन का वितरण शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा की मौजूदगी में किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पास एक स्मार्टफोन होना चाहिए। वह जो मेहनत करती हैं उसका रियल टाइम डाटा हमें समय पर नहीं मिल पाता है, समय पर डाटा अपलोड न पाने की वजह से हमारी रैंकिंग कम होती है, इसलिए स्मार्टफोन देना और उन्हें इसके उपयोग में पारंगत करना आवश्यक है। आपकी भूमिका कितनी बढ़ने वाली है, इसलिए हर प्रकार की सुविधा देने के लिए काम को आगे बढ़ाया जा रहा है।इस दौरान बीडीओ अनिशि मणि पाण्डेय, सीडीपीओ रविन्द्र यादव, मुख्य सेविका कविता तिवारी व नाजिया खातून, प्रदीप कमलापुरी, विष्णु सिंह आदि मौजूद रहे।

पुश्तैनी जमीन पर कब्जे का आरोप, प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र के हंसपुरम आवास विकास इलाके में पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित प्रदीप तिवारी ने चौकी इंचार्ज आवास विकास हंसपुरम को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुरानी बस्ती नौबस्ता निवासी प्रदीप तिवारी पुत्र स्वर्गीय प्रेम नारायण तिवारी ने आरोप लगाया है कि उनकी पुश्तैनी भूमि ग्राम नौबस्ता की आराजी संख्या 1102, रकबा 14 बिसुआ, राजीव विहार के निकट स्थित है। भूमि पर साफ-सफाई और समतलीकरण का कार्य कराया जा रहा था, जिसका जिम्मा उन्होंने अपने परिचित मनोज कुमार को दिया था।

पीड़ित के अनुसार, इसी दौरान अरुण कुमार साहू और उनके भाई करीब 15-18 युवकों व एक महिला के साथ मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद मनोज कुमार तथा उनके सहयोगी पिंटू पासी के साथ गाली-गलौज व हाथापाई करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने खुद को प्रभावशाली बताते

हुए धमकी दी कि 'मैं वकील हूं, मेरा कुछ बिगाड़ नहीं पाओगे। '

प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपितों ने कहा कि उन्होंने हाल ही में पास की दो करोड़ रुपये की जमीन बेची है और किसी प्रकार की पैमाइश नहीं कराई गई है। साथ ही दोबारा जमीन पर आने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित प्रदीप तिवारी ने पुलिस से भूमि की पैमाइश कराने, दस्तावेजों की जांच करवाने तथा आरोपितों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर भय बना हुआ है।

फरार अमरमणि त्रिपाठी का 'पुलिसिया प्रोटोकॉल': नौतनवा के बाद अब गोरखपुर में जमीन पर कब्जे का आरोप

» वायरल वीडियो से मचा सियासी बवाल

गोरखपुर /नौतनवा, महराजगंज:एक तरफ कोर्ट ने राहुल मद्धेशिया अपहरण कांड में अमरमणि त्रिपाठी को फरार घोषित कर संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया, दूसरी तरफ वही अमरमणि पुलिस के साये में गोरखपुर में जमीन पर कब्जा करते दिख रहे हैं। वायरल वीडियो ने यूपी की कानून व्यवस्था पर सवालों की बौछार कर दी है।

गोरखपुर में नया बवाल- दो दिन पहले गोरखपुर के हुमायूंपुर स्थित अमरमणि के मकान से चंद कदम आगे एक विवादित जमीन पर बवाल हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में खुद पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर दिख रहे हैं। आरोप है कि अमरमणि फिर एक जमीन पर कब्जा करने पहुंचे थे। पुलिस की मौजूदगी में फरार घोषित अपराधी का जमीन पर दावेदारी करना देख लोगों की आंखें फटी रह गई। वीडियो वायरल होते ही चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

नौतनवा से गोरखपुर तक 'कब्जा पुराण' अमरमणि का जमीनों से पुराना नाता है। नौतनवा की समुनरा देवी का मामला हो, स्वर्गीय कर्नल ओम प्रकाश त्रिपाठी की जमीन, निचलौल का कटका फॉर्म, दुर्गा ऑयल मिल पर अवैध कब्जा, मुडिला स्कूल की जमीन पर बना गैस गोदाम या नौतनवा इंटर कॉलेज का विवाद - ये सारे मामले अमरमणि के जेल जाने के बाद ठंडे बस्ते में चले गए थे। लेकिन जेल से बाहर आते ही 'खेल' फिर शुरू हो गया। नौतनवा के बाद अब गोरखपुर में एंट्री ने साफ कर दिया है कि 'साहब' का रुतबा कम नहीं हुआ।

सवालों के घेरे में पुलिस-प्रशासन

सबसे बड़ा सवाल यही है- राहुल अपहरण कांड में फरार घोषित, संपत्ति कुर्क हो चुकी, फिर भी पुलिस के साथ अमरमणि कैसे घूम रहे हैं? आम जनता कह रही है कि जब कोर्ट से फरार अपराधी पुलिस के साथ जमीन नापता दिखे तो कानून का इकबाल कहां बचा?

लोगों का तंज है-'एक तरफ योगी सरकार में माफिया मिट्टी में मिल रहे हैं, दूसरी तरफ फरार अमरमणि पुलिस के साथ जमीन मिलाते घूम रहे हैं। ये कैसा डबल इंजन? '

आगे क्या? वायरल वीडियो के बाद महराजगंज से गोरखपुर तक सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्ष को बैठे-बिठाए मुद्दा मिल गया है। अब देखना है कि गोरखपुर पुलिस इस वीडियो पर क्या सफाई देती है और क्या अमरमणि पर कोर्ट के आदेश के बाद भी कोई कार्रवाई होती है, या फिर ये मामला भी बाकी विवादों की तरह फाइलों में दफन हो जाएगा।

विद्यालय की जमीन पर गैस एजेंसी को लाइसेंस कैसे मिला?

सिस्टम पर उठे सवाल लगे भ्रष्टाचार के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज (नौतनवा) ग्राम सभा मुड़िला में शिक्षा विभाग की जमीन पर चल रहे 'प्रगतिशील गैस एजेंसी' के लाइसेंस और अनापत्ति प्रमाण पत्र ने पूरे सिस्टम को कठघरे में खड़ा कर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि जब आराजी संख्या 944मि की 1.368 हेक्टेयर जमीन 'इंटर कॉलेज' और 0.405 हेक्टेयर 'कन्या इंटर कॉलेज' के नाम दर्ज है, तो वहां गैस गोदाम को अनुमति किसने दी?

जमीन स्कूल की, संचालन नहीं

पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय द्वारा 28/04/2026 को जिलाधिकारी को दिए गए पत्र में बताया गया है कि जिस आराजी संख्या 944मि पर गैस गोदाम बना है, वहां 'इंटर कॉलेज' संचालित नहीं होता। वहीं से लगभग 50 मीटर की दूरी पर दूसरे आराजी नंबर पर दूसरे लोगों द्वारा विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। फिर भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज शैक्षणिक भूमि को व्यावसायिक उपयोग के लिए कैसे दे दिया गया?

NOC और लाइसेंस पर बड़ा 'खेल'

नियमानुसार रिहायशी और शैक्षणिक क्षेत्र में ज्वलनशील पदार्थ का गोदाम बनाने के लिए कड़ी शर्तें हैं। फिर भी गैस एजेंसी को NOC और लाइसेंस मिल गया। यह सीधे तौर पर मिलीभगत की ओर इशारा करता है। सबसे पहला सवाल यही उठ रहा है कि राजस्व विभाग ने भू-अभिलेखों की जांच किए बिना शैक्षणिक भूमि पर व्यावसायिक NOC कैसे जारी कर दी। दूसरा सवाल शिक्षा विभाग की सहमति को लेकर है। बिना शिक्षा विभाग की अनुमति के जमीन का भू-उपयोग बदला ही कैसे जा सकता है। तीसरा सवाल सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर है। 50 मीटर दूर दूसरे आराजी नंबर पर विद्यालय संचालित होने के बाद भी अग्निशमन और विस्फोटक विभाग ने खतरे को नजरअंदाज क्यों किया।

क्या पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार के दलदल में

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह बिना ऊपर से नीचे तक सेटिंग के संभव नहीं है। पहले आराजी संख्या 944मि पर विद्यालय का संचालन बंद हुआ, और फिर खाली पड़ी जमीन पर गैस एजेंसी को लाइसेंस दे दिया गया। यह जमीन घोटाले का नया पैटर्न है। अगर जांच हो तो कई सफेदपोश बेनकाब होंगे।

डीएम से कार्रवाई की मांग

पत्र में मांग की गई है कि न सिर्फ जमीन कब्जा मुक्त हो, बल्कि NOC और लाइसेंस देने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों पर FIR दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। शैक्षणिक भूमि का दुरुपयोग करने वाले किसी भी कीमत पर बचने नहीं चाहिए। अब सबकी निगाहें जिलाधिकारी महाराजगंज पर हैं। देखना है कि प्रशासन इस 'खेल' का पर्दाफाश करता है या फाइलों में दबा देता है।

एसी बसों से गर्मी में कूल-कूल होगा सफर, दिल्ली-लखनऊ रूट पर एटा डिपो के यात्रियों को मिलेगी राहत

एटा। रोडवेज यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से एसी बस सेवा का इंतजार कर रहे यात्रियों को अब बेहतर और आरामदायक सफर की सुविधा मिलने जा रही है। डिपो के बेड़े में शनिवार को दो नई एसी बसें शामिल हो गई। इन बसों का संचालन दिल्ली, नोएडा और लखनऊ रूट पर किया जाएगा। नई बसों के आने से न केवल यात्रियों को गर्मी में राहत मिलेगी, बल्कि लंबी दूरी की यात्रा भी अधिक सुविधाजनक हो सकेगी। डिपो प्रशासन के अनुसार दोनों बसें दो गुणा दो सीट व्यवस्था वाली हैं, जिनमें करीब 30 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। आधुनिक सुविधाओं से लैस इन बसों में आरामदायक सीटों के साथ बेहतर सफर की व्यवस्था की गई है। अब तक एटा डिपो के बेड़े में एक भी एसी बस नहीं थी, जिसके चलते यात्रियों को अन्य डिपो की बसों पर निर्भर रहना पड़ता था। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि डिपो को फिलहाल दो एसी बसें प्राप्त हुई हैं। इसके अलावा दो और तीन गुणा दो सीट व्यवस्था वाली एसी बसों की मांग शासन से की गई है। उम्मीद है कि जल्द ही डिपो को दो और नई एसी बसें मिल जाएंगी। उन्होंने बताया कि नई बसों के संचालन से यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी और डिपो की आय में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

नन्हे कंधों पर राष्ट्रभक्ति का विराट संकल्प

[ऑपरेशन सिंदूर में जवानों की सेवा कर 11 वर्षीय श्रवण सिंह बना देशभक्ति, समर्पण और साहस का अद्भुत प्रतीक]

जब किसी देश की सीमाओं पर सैनिक दिन-रात पहरा दे रहे होते हैं, तब पूरा राष्ट्र उनके साहस और त्याग के भरोसे निश्चिंत होकर जीवन जीता है। लेकिन कभी-कभी इसी देश की मिट्टी से ऐसे अनमोल रत्न जन्म लेते हैं, जो छोटी-सी उम्र में ही राष्ट्रसेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर देते हैं कि पूरा देश गर्व से भर उठता है। पंजाब के फिरोजपुर जिले के 'चक तारा वाली' गांव का 11 वर्षीय श्रवण सिंह ऐसा ही एक अद्भुत बालक है, जिसकी देशभक्ति और समर्पण की भावना ने करोड़ों भारतीयों का हृदय जीत लिया है। जिस उम्र में बच्चे खिलौनों और खेलों में खोए रहते हैं, उस उम्र में श्रवण सिंह भारतीय सेना के जवानों की सेवा में स्वयं को समर्पित कर चुका था। उसका हर कदम राष्ट्रभक्ति की उस पवित्र भावना से प्रेरित था, जो किसी साधारण बच्चे में नहीं, बल्कि किसी असाधारण आत्मा में ही दिखाई देती है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब भारतीय सेना सीमा पर पूरी मुस्तैदी से डटी हुई थी, तब श्रवण सिंह बिना किसी भय और संकोच के जवानों के बीच पहुंचता रहा। सुबह होते ही वह चाय लेकर खेतों और कच्चे रास्तों से गुजरता हुआ सेना के कैंप तक पहुंच जाता। दोपहर की भीषण गर्मी में वह जवानों के लिए बर्फ लेकर जाता ताकि देश की रक्षा में लगे सैनिकों को थोड़ी राहत मिल सके। शाम के समय वह दूध और लस्सी लेकर फिर कैंप में पहुंच जाता। उसके मन में न कोई डर था, न कोई स्वार्थ। उसके भीतर केवल एक ही भावना थी–देश के वीर जवानों की सेवा करना। यह भावना किसी किताब से नहीं आती, यह राष्ट्रप्रेम की वह आग होती है जो आत्मा में जन्म लेती है।

श्रवण सिंह जब जवानों के बीच जाता था तो उनके साथ बड़े गर्व से घूमता और उनकी बंदूक हाथ में लेकर कहता, 'मैं भी बड़ा होकर सैनिक बनूंगा।' यह केवल एक मासूम इच्छा नहीं थी, बल्कि उस बालक के हृदय में धधकती देशभक्ति की लौ थी। उसकी आंखों में सेना की वर्दी के प्रति जो सम्मान था, वह बताता है कि भारत की नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना कितनी गहरी है। श्रवण के भीतर देश के लिए कुछ कर गुजरने का जो जज्बा दिखाई देता है, वह वास्तव में करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा है।

भारतीय सेना भी इस नन्हे सिपाही के समर्पण और सेवा भावना से अत्यंत प्रभावित हुई। सेना ने श्रवण को केवल सम्मान ही नहीं दिया, बल्कि उसे अपने परिवार का हिस्सा मानते हुए 'गोद' ले लिया। यह किसी भी बच्चे के लिए बहुत बड़ा सम्मान है। सेना ने उसकी शिक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी उठाई। जब जवानों को पता चला कि श्रवण डायबिटीज जैसी बीमारी से जूझ रहा है, तब उन्होंने तुरंत उसकी चिकित्सा की व्यवस्था की। उसकी बेहतर पढ़ाई के लिए प्राइवेट स्कूल में दाखिला कराया गया और आगे की शिक्षा के लिए कपूरथला भेजने का निर्णय लिया गया। यह केवल सहायता नहीं, बल्कि उस देशभक्त बालक के प्रति सेना का प्रेम और सम्मान है।

श्रवण सिंह की कहानी यह सिद्ध करती है कि देशभक्ति उम्र की मोहताज नहीं होती। केवल 11 वर्ष की उम्र में उसने जो कार्य किया, वह बड़े-बड़े लोगों के लिए भी प्रेरणा बन गया। वह न किसी पुरस्कार के लिए काम कर रहा था, न किसी प्रसिद्धि के लिए। उसके मन में केवल भारत माता के प्रति प्रेम था। यही कारण है कि उसकी सेवा भावना को पूरे देश ने सलाम किया और उसे प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी श्रवण सिंह की खुलकर प्रशंसा की। बाल पुरस्कार समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने उसके जज्बे को याद करते हुए कहा था कि जिन कपड़ों और चप्पलों में यह बच्चा देश सेवा कर रहा था, उन्हें संभालकर रखा जाए क्योंकि वे इतिहास का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री के ये शब्द केवल तारीफ नहीं थे, बल्कि उस बालक के राष्ट्रप्रेम को दिया गया सर्वोच्च सम्मान थे। देश के प्रधानमंत्री का किसी छोटे बच्चे के समर्पण को इस प्रकार सम्मान देना यह दर्शाता है कि श्रवण का कार्य कितना असाधारण था। श्रवण सिंह को देशभर की अनेक संस्थाओं ने सम्मानित किया। कश्मीर से लेकर इंदौर तक उसे बुलाकर सम्मान दिया गया। उसे पहली बार हवाई जहाज में बैठाकर इंदौर ले जाया गया। यह सब उस बच्चे के लिए किसी सपने जैसा था, लेकिन इन सब उपलब्धियों के बाद भी श्रवण के स्वभाव में कोई बदलाव नहीं आया। वह आज भी उसी सादगी और विनम्रता के साथ अपने गांव में रहता है। यही उसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स की मालकिन और प्रसिद्ध अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने भी श्रवण को मोहाली आमंत्रित किया। वहां उसने उनके साथ बैठकर क्रिकेट मैच देखा। लेकिन श्रवण के लिए सबसे बड़ा गौरव क्रिकेट मैच देखना नहीं, बल्कि भारतीय सेना के जवानों के बीच रहना था। उसके लिए सैनिकों की वर्दी किसी हीरो से कम नहीं थी। यही कारण है कि वह हर समय सेना के प्रति सम्मान और प्रेम से भरा दिखाई देता है। श्रवण के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत साधारण है। उसके पिता सोना सिंह एक छोटे किसान हैं और मां आंगनवाड़ी में काम करती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद इस परिवार ने अपने बेटे में देशभक्ति और संस्कारों की जो भावना जगाई, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

श्रवण के माता-पिता को भी यह अंदाजा नहीं था कि उनका छोटा-सा बेटा एक दिन पूरे देश के लिए प्रेरणा बन जाएगा। लेकिन सच्चाई यही है कि महानता कभी साधनों से नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं से जन्म लेती है। आज जब समाज में स्वार्थ और व्यक्तिगत लाभ की भावना बढ़ती दिखाई देती है, तब श्रवण सिंह जैसे बच्चे आशा की किरण बनकर सामने आते हैं। वह बताता है कि सच्चा देशप्रेम क्या होता है। देशभक्ति केवल नारों और भाषणों से सिद्ध नहीं होती, बल्कि सेवा, त्याग और समर्पण से प्रकट होती है। श्रवण ने यह साबित कर दिया कि यदि मन में राष्ट्र के प्रति प्रेम हो तो छोटी उम्र भी बड़े कार्य करने से नहीं रोक सकती।

श्रवण सिंह वास्तव में भारत माता का वह वीर पुत्र है, जिसकी कहानी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। उसकी आंखों में सैनिक बनने का सपना केवल उसका व्यक्तिगत सपना नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव का सपना है। वह करोड़ों बच्चों के लिए उदाहरण है कि देश के प्रति प्रेम और सम्मान बचपन से ही जीवन का सबसे बड़ा संस्कार होना चाहिए। यह नन्हा सिपाही केवल पंजाब का नहीं, बल्कि पूरे भारत का गौरव बन चुका है। उसकी देशभक्ति, निस्वार्थ सेवा और समर्पण की भावना हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की नई ऊर्जा भरती है। श्रवण सिंह जैसे बच्चे ही भारत के भविष्य की असली ताकत हैं, जिनके कारण यह विश्वास और मजबूत होता है कि भारत की आत्मा आज भी देशभक्ति और बलिदान की भावना से ओतप्रोत है।

कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु में विजय को मिल ही गई 'विजय'

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

भारतीय राजनीति में एक और केजरीवाल का उदय हुआ है, कहने का मतलब एक और बिल्कुल नई पार्टी ने पहली बार चुनाव लड़ा और बहुमत के करीब पहुंच गई। तमिलनाडु में 60 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है कि सत्ता डीएमके और एआईडीएमके के अलावा किसी और पार्टी के पास पहुंची हो। 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इतिहास रच गया। सिनेमा के पर्दे पर 'थलापति' कहलाने वाले विजय ने असल सियासत में भी बाजी मार ली। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) 234 में से 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। टीवीके का वोट शेयर 34.92% रहा। विजय की पार्टी टीवीके को बहुमत सिद्ध करने के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी लेकिन उनके पास 11 सीटें कम पड़ रहीं थीं। क्योंकि विजय दो सीटों से चुनाव लड़े थे और जीते थे। एक सीट से विजय को त्याग-पत्र देना होगा। कांग्रेस ने 5 सीट जीतीं और बिना शर्त विजय को समर्थन दे दिया। अब भी विजय को 6 सीटों की आवश्यकता थी और वो कई बार राज्यपाल से मिले लेकिन राज्यपाल ने समर्थन न होने के कारण वापस कर दिया। अंत में माकपा 2, भाकपा2, वीसीके 2और आईयूएमएल 2 ने भी विजय की पार्टी को समर्थन का पत्र सौंप दिया और विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेली। सिनेमा से सत्ता तक का सफर तमिलनाडु में फिल्म और राजनीति का रिश्ता बहुत पुराना है। स्त्रत्रऔर जयललिता के बाद विजय इस लिस्ट में नया नाम हैं। विजय ने फरवरी 2026 में ही ऐलान कर दिया था कि टीवीके किसी गठबंधन में नहीं जाएगी और अकेले पूर्ण बहुमत लाएगी।

118 का आंकड़ा और राजभवन की दौड़

सरकार बनाने के लिए 118 विधायक चाहिए। विजय ने पेरंबूर और त्रिची ईस्ट दोनों सीटें जीतीं, एक सीट छोड़ने के बाद टीवीके के पास 107 विधायक बचे। 7-8 मई को विजय 2 बार गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। पहले उनके पास 116 विधायकों का समर्थन था, 2 विधायक कम पड़ रहे थे।

छोटे दलों ने बदला समीकरण

कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही टीवीके के साथ आ गए। फिर सीपीआई, सीपीएम के 2-2 और वीसीके ने भी समर्थन दे दिया। सूत्रों के मुताबिक अब गठबंधन का आंकड़ा 118 तक पहुंच गया है - सरकार गठन के लिए 'जादुई संख्या'। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा: ठ्'सत्ता जनता के फैसले में देरी कर सकती है, लेकिन उसे हमेशा के लिए दबा नहीं सकती'।

द्रविड़ राजनीति में बदलाव की आहट

2026 के नतीजों को 'विजय की आंधी में द्रविड़ राजनीति का सफाया' कहा जा रहा है। डीएमके, एआईएडीएमके, भाजपा ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा था, जबकि टीवीके ने वोट कैलकुलेशन से सभी वर्गों को साधा। निष्कर्ष : एमजीआर के बाद तमिलनाडु को एक और 'सुपरस्टार सीएम' मिल गया है। विजय ने साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती है और सिनेमा का क्रेज अब विधानसभा में भी 'हाउसफुल' है।

भारत- मेडिकल टूरिज्म नहीं, स्वास्थ्य पुनर्जागरण का भारतीय मंदिर

[जहां विज्ञान और प्रकृति एक ही भाषा बोलते हैं – वह है आयुष भारत]
[स्वास्थ्य क्रांति के नए युग में आयुष बना भारत का वैश्विक आधार]

स्वास्थ्य क्रांति के वैश्विक मानचित्र पर भारत अब निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। दुनिया जहां महंगे इलाज और सीमित सुविधाओं से जूझ रही है, वहीं भारत किफायती, गुणवत्तापूर्ण और समग्र चिकित्सा का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। प्राचीन आयुष परंपरा और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का संगम इसे विशिष्ट पहचान देता है। 2025 में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल बाजार लगभग 8.7 बिलियन डॉलर है, जो 2030 तक 16.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व के उदय का स्पष्ट संकेत है। भारत अब सिर्फ इलाज का विकल्प नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक चिकित्सा गंतव्य बनता जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में किफायत और गुणवत्ता का संतुलन बनाकर भारत एक नई परिभाषा स्थापित कर रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में यहां हृदय बाईपास, कैंसर उपचार, हिप-नी रिप्लेसमेंट, अंग प्रत्यारोपण और आईवीएफ जैसी जटिल प्रक्रियाएं 60 से 90 प्रतिशत तक कम खर्च में उपलब्ध हैं। यही कारण है कि भारत अब 'सस्ता विकल्प' नहीं, बल्कि 'सर्वोत्तम मूल्य' वाला देश बन चुका है। जेसीआई और एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पताल, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टर विदेशी मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा रहे हैं। 2025 में 9.15 मिलियन विदेशी पर्यटकों में से लगभग 5.07 लाख मरीज उपचार के लिए भारत आए, जो इसकी बढ़ती चिकित्सा विश्वसनीयता को दर्शाता है। यह प्रवृत्ति हर वर्ष तेज गति से आगे बढ़ रही है।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन रहा है। आयुष प्रणाली अब केवल वेलनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि गंभीर रोगों के बाद तेजी से रिकवरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, क्रॉनिक बीमारियों के प्रबंधन और मानसिक तनाव में राहत देने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र हैं। यूनियन बजट 2026-27 में पाँच क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की घोषणा की गई है, जहां आधुनिक चिकित्सा और आयुष सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध होंगी। साथ ही तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित किए जाएंगे। यह समन्वय भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

नीतिगत दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने भारत को वैश्विक हेल्थकेयर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूत आधार दिया है। आयुष वीजा और 'हील इन इंडिया' पोर्टल ने विदेशी मरीजों के लिए उपचार प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है। गुजरात के जामनगर में स्थित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर आयुष को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान कर रहा है।

हैदराबाद, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और कोच्चि जैसे शहर मेडिकल टूरिज्म के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। यहां आधुनिक अस्पतालों के साथ योग और पुनर्वास सुविधाएं भी विकसित हो रही हैं। सर्जरी के बाद मरीज आयुर्वेदिक थेरेपी से तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं, जिससे भारत की विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

दुनिया भर में बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताएं भारत के मॉडल को तेजी से लोकप्रिय बना रही हैं। विकसित देशों में बढ़ती इलाज लागत, लंबी प्रतीक्षा सूची और दवाओं के दुष्प्रभाव मरीजों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। बांग्लादेश, अफ्रीकी देशों, मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया से लाखों मरीज भारत में किफायती और गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त कर रहे हैं। यहां उन्हें केवल इलाज ही नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य सुधार का अनुभव मिलता है। भारत का यह मॉडल इलाज, रोकथाम, पुनर्वास और जीवनशैली संतुलन को जोड़कर भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली का मार्ग तैयार कर रहा है। यह बदलाव वैश्विक स्वास्थ्य दृष्टि को नई दिशा दे रहा है।

भारत का यह सफर आर्थिक विकास, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय सेवा को एक साथ सशक्त कर रहा है। देश का स्वास्थ्य ढांचा अब केवल उपचार प्रणाली नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति का मजबूत आधार बन चुका है। प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम यह संदेश देता है कि वास्तविक स्वास्थ्य केवल इलाज नहीं, बल्कि संतुलित जीवनशैली है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम, आयुष क्वालिटी मार्क और मेडिकल डिवाइस उद्योग के विस्तार से भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। यह क्षेत्र रोजगार और निर्यात का बड़ा स्रोत बन रहा है।

यदि यह गति बनी रही, तो 2030 तक भारत वैश्विक हेल्थकेयर हब बनने के साथ समग्र और किफायती स्वास्थ्य समाधान का अग्रणी केंद्र होगा। यह प्रगति भारत को एक सशक्त वैश्विक स्वास्थ्य शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख उसे वैश्विक स्वास्थ्य परिदृश्य में प्रमुख स्थान दिला रही है। किफायती, भरोसेमंद और समग्र चिकित्सा सेवाओं के कारण यह विदेशी मरीजों के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है। मेडिकल टूरिज्म से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित हो रहे हैं। अस्पताल, शोध संस्थान, योग केंद्र और वेलनेस सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। यह उपलब्धि केवल स्वास्थ्य क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य का ठोस प्रमाण है, जो देश को नई वैश्विक पहचान दे रही है। यह बदलाव भारत को भविष्य की स्वास्थ्य महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है।

दुनिया की स्वास्थ्य व्यवस्था अब एक निर्णायक बदलाव के मुहाने पर भारत की ओर मुड़ती दिखाई दे रही है। यहां का मॉडल केवल उपचार की प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और समग्र रूप से संवारने वाली गहरी दृष्टि है। सस्ती, सुलभ चिकित्सा और आयुष की प्राचीन ज्ञान परंपरा इसे अलग पहचान देती है। 'हील इन इंडिया' पहल, आयुष वीजा और निजी क्षेत्र की भागीदारी इस गति को लगातार मजबूत कर रही है। 'आत्मनिर्भर भारत' की यह शक्ति वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे में नई उम्मीद और ऊर्जा भर रही है। आने वाले समय में भारत न सिर्फ उपचार का केंद्र बनेगा, बल्कि मानवता के लिए भरोसे, स्वास्थ्य और आशा का स्थायी आधार भी सिद्ध होगा। यह यात्रा भारत को विश्व कल्याण के नए युग का वास्तविक शिल्पकार बना रही है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वयं को 'फ्री' रखने के लिए बच्चों को मोबाइल सौंपते माता-पिता

बच्चे और माता-पिता का संबंध केवल जैविक नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और मार्गदर्शन का जीवंत सूत्र है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को बच्चे का प्रथम गुरु माना गया है, जो उन्हें न केवल चलना-बोलना बल्कि जीवन-मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सिखाते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

एक स्वस्थ परिवार वही है जहाँ बच्चों को स्नेह, संवाद और अपनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय मिले। किंतु आधुनिक जीवनशैली, करियर की अंधी दौड़ और तकनीक पर बढ़ती निर्भरता ने इन संबंधों को बदल दिया है। आज अधिकांश माता-पिता के पास समय का अभाव है। इसकी भरपाई के लिए वे बच्चों को मोबाइल, टीवी या टैबलेट उपलब्ध करा देते हैं ताकि वे स्वयं को 'फ्री' रख सकें। स्थिति यहाँ तक पहुँच गई है कि बच्चा रोए, जिद करे या खाना न खाए, समाधान के रूप में उसके हाथ में मोबाइल थमा दिया जाता है।

यह केवल तकनीक का उपयोग नहीं, बल्कि पालन-पोषण की बदलती मानसिकता का संकेत है। आज का समाज व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आर्थिक प्रतिस्पर्धा पर अधिक ध्यान दे रहा है। परिणामस्वरूप, संयुक्त परिवारों का स्थान डिजिटल स्क्रीन और झूलाघरों ने ले लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। इससे उनकी एकाग्रता और स्मरण शक्ति घटती है, भाषा विकास धीमा होता है और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है।

बचपन, जो कभी खेल, प्रकृति और किस्सों का समय होता था, अब स्क्रीन तक सिमट गया है। बच्चे मैदानों और पारिवारिक सानिध्य से दूर होकर आभासी दुनिया में अकेले होते जा रहे हैं। शारीरिक स्तर पर भी कम उम्र में आँखों की कमजोरी, मोटापा और नींद के विकार बढ़ रहे हैं। इंटरनेट पर अनियंत्रित सामग्री और हिंसक खेलों की लत बच्चों को अवसाद की ओर धकेल रही है।

पालन-पोषण का अर्थ केवल अच्छी सुविधाएँ देना नहीं, बल्कि बच्चों के मन की दुनिया को समझना है। माता-पिता के साथ किया गया संवाद बच्चों में आत्मविश्वास और सुरक्षा का भाव पैदा करता है। आज दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। बच्चों को गैजेट्स के बजाय पुस्तकों, बागवानी, योग और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। परिवार के साथ भोजन करना और घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ समय बिताना उनके व्यक्तित्व को गढ़ने में सहायक होगा। तकनीक शिक्षा के लिए उपयोगी हो सकती है, किंतु यह माता-पिता के स्नेह का विकल्प नहीं है। यदि आज हम बच्चों को समय और संस्कार देंगे, तभी वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन पाएंगे। वास्तव में बच्चों को महंगे गैजेट्स की नहीं, बल्कि माता-पिता के साथ और प्यार की आवश्यकता होती है।

(डा.) मनमोहन प्रकाश

दैनिक राशिफल

मेष– आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंग:** लाल **शुभ अंक:** 9

वृषभ–धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

मिथुन–कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

कर्क– भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। **शुभ रंग:** सिल्वर **शुभ अंक:** 2

सिंह–आज मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ अंक:** 1

कन्या–कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी लेकिन मेहनत सफल होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। **शुभ रंग:** नीला **शुभ अंक:** 7

तुला– आज का दिन संतुलन बनाए रखने का है। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं। **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक– गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। कार्यक्षेत्र में सतर्कता जरूरी है। परिवार का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 8

धनु– भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के योग हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। **शुभ रंग:** पीला **शुभ** अंक: 3

मकर– आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। **शुभ रंग:** ग्रे **शुभ अंक:** 4

कुंभ– नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ** अंक: 11

मीन– आज मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ अंक:** 12

छोटे-छोटे निरंतर प्रयासों से खुलते बड़े सफलता के द्वार

गांधीजी का प्रसिद्ध कथन है

पहले वे आपको नजर अंदाज करेंगे, फिर आप पर हँसेंगे, फिर आपसे लड़ेंगे और अंत में आप जीत जाएंगे। मानव जीवन संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयासों की एक लंबी कहानी है। संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए उनकी सफलता किसी एक दिन की चमत्कारी घटना नहीं थी, बल्कि वर्षों तक किए गए छोटे-छोटे सतत प्रयासों का बड़ा परिणाम थी। सफलता का कोई सुगम और सरल नहीं होता। वह धीरे-धीरे तपकर, गिरकर, संभलकर और निरंतर आगे बढ़ने से प्राप्त होती है। जिस प्रकार छोटी-छोटी बूंदें मिलकर विशाल सागर का निर्माण करती हैं, उसी प्रकार मनुष्य के छोटे-छोटे प्रयास जीवन में बड़ी उपलब्धियों का आधार बनते हैं। किसी शायर ने कहा है

'पानी की छोटी बूंदों ने बढ़कर समंदर बना दिया,
छोटे-छोटे प्रयासों ने आदमी का मुकद्दर बना दिया।'

आज का समय त्वरित परिणामों का समय माना जाता है। लोग चाहते हैं कि उन्हें बिना संघर्ष के तुरंत सफलता मिल जाए। किंतु प्रकृति का नियम है कि हर बड़ी उपलब्धि के पीछे लंबे समय तक किया गया श्रम और अनुशासन छिपा होता है। किसान बीज बोने के बाद प्रतिदिन उसकी देखभाल करता है। वह जानता है कि फसल एक दिन में नहीं उगेगी, परंतु यदि उसका प्रयास निरंतर रहेगा तो एक दिन खेत अवश्य लहलहाएगा। यही नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होता है। महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने बिजली के बल्ब का आविष्कार करने से पहले हजारों बार असफलताएँ झेली थीं। जब उनसे पूछा गया कि वे हजार बार असफल कैसे हुए, तब उन्होंने कहा कि मैं असफल नहीं हुआ, मैंने केवल हजार ऐसे तरीके खोजे जो काम नहीं करते। यह कथन हमें सिखाता है कि असफलता अंत नहीं होती, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक चरण होती है। यदि मनुष्य हर असफलता के बाद पुनः प्रयास करता रहे, तो अंततः सफलता उसके कदम चूमती है। इसी प्रकार महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निरंतर संघर्ष करते हुए भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और सतत प्रयास किसी भी बड़ी शक्ति को झुका सकते हैं। गांधीजी का प्रसिद्ध कथन है।

यह कथन केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू होता है। जब कोई व्यक्ति किसी लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करता है, तो प्रारंभ में लोग उसका उपहास उड़ाते हैं, किंतु अंततः वही व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी छोटे-छोटे प्रयासों की महान कहानी है। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले कलाम साहब ने कठिन परिस्थितियों में समाचार पत्र बाँटे, पढ़ाई की और अपने सपनों को कभी मरने नहीं दिया। निरंतर परिश्रम और अनुशासन के बल पर वे 'मिसाइल मैन' कहलाए और देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचे। उन्होंने कहा था। सपना वह नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपना वह है जो आपको सोने न दे। उनका यह विचार युवाओं को निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। केवल सपना देखने से सफलता नहीं मिलती, बल्कि उसके लिए प्रतिदिन कर्म करना पड़ता है। जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे आवश्यक है एक स्पष्ट लक्ष्य। बिना लक्ष्य के प्रयास दिशाहीन हो जाते हैं।

जिस प्रकार नाविक बिना दिशा के समुद्र में भटक जाता है, उसी प्रकार लक्ष्यहीन मनुष्य भी अपने जीवन की ऊर्जा व्यर्थ कर देता है। यदि मनुष्य एक निश्चित लक्ष्य तय कर ले और उस दिशा में प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा कार्य करता रहे, तो धीरे-धीरे सफलता उसके निकट आने लगती है। इतिहास गवाह है कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास और निरंतर कर्म का संदेश दिया था। उनका प्रसिद्ध वाक्य– 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' यह केवल प्रेरणादायक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। मनुष्य को कठिनाइयों, आलोचनाओं और असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। निरंतर आगे बढ़ते रहना ही सफलता का मार्ग है।

प्रकृति भी हमें यही शिक्षा देती है। नदी पर्वतों से टकराकर रुकती नहीं, बल्कि अपना मार्ग स्वयं बना लेती है। चींटी बार-बार गिरने के बाद भी दीवार पर चढ़ने का प्रयास करती रहती है। सूर्य प्रतिदिन उगता है और अंधकार को दूर करता है। संसार का प्रत्येक जीव अपने सतत कर्म से जीवन का संतुलन बनाए रखता है। मनुष्य यदि प्रकृति से यह सीख ले ले कि निरंतरता ही सफलता का रहस्य है, तो उसका जीवन बदल सकता है। आज अनेक विद्यार्थी, युवा और कर्मचारी थोड़ी असफलता मिलते ही निराश हो जाते हैं। वे सोचते हैं कि शायद सफलता उनके भाग्य में नहीं है। जबकि सत्य यह है कि सफलता भाग्य से अधिक परिश्रम और निरंतरता पर निर्भर करती है। भाग्य अवसर दे सकता है, किंतु उस अवसर को उपलब्धि में बदलने का कार्य केवल परिश्रम करता है।नेल्सन मंडेला ने 27 वर्षों तक जेल में रहने के बाद भी अपने संघर्ष को नहीं छोड़ा। अंततः वही व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपति बना और विश्वभर में मानवाधिकारों का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा था

मैं कभी नहीं हारता। या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ।

यह विचार मनुष्य को हर परिस्थिति में सकारात्मक बने रहने की प्रेरणा देता है। वास्तव में बड़ी सफलता कोई कठिन कार्य नहीं है। आवश्यकता केवल मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट योजना, अनुशासन और निरंतर प्रयास की होती है। यदि मनुष्य प्रतिदिन अपने लक्ष्य की ओर एक छोटा कदम भी बढ़ाता रहे, तो समय के साथ वही कदम उसे महान उपलब्धियों तक पहुँचा देते हैं। **अतः** यह कहना बिल्कुल उचित है कि छोटे-छोटे निरंतर प्रयास ही बड़ी सफलताओं के द्वार खोलते हैं। सफलता अचानक नहीं आती, बल्कि धीरे-धीरे हमारे प्रयासों की सीढ़ियों पर चढ़कर हमारे जीवन में प्रवेश करती है। इसलिए मनुष्य को कभी निराश नहीं होना चाहिए। कठिनाइयाँ आएँगी, असफलताएँ मिलेंगी, लोग आलोचना करेंगे, किंतु जो व्यक्ति अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है और निरंतर कर्म करता रहता है, वही अंततः इतिहास रचता है। यही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 –9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

बेटा सचिवालय में, बाप की दबंगई

● गरीब की पुश्तैनी ज़मीन पर जबरन कब्जे का आरोप, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद तहसील अंतर्गत रहीमाबाद थाना क्षेत्र से दबंगई और भूमाफियागिरी का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक गरीब परिवार ने गांव के ही कुछ दबंग लोगों पर उसकी पुश्तैनी आबादी की जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि जब उन्होंने अपनी जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे का विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, दबंगों ने अपने रसूख का हवाला देते हुए कहा कि उनका बेटा सचिवालय में नौकरी करता है, इसलिए उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। मामले को लेकर पीड़ित ने रहीमाबाद थाने में लिखित प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से कार्रवाई और सुरक्षा की गुहार लगाई है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार दहशत में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी मजरा महदौइया निवासी कल्लू प्रसाद पुत्र स्वर्गीय सरजू ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी पुश्तैनी आबादी की भूमि गाटा संख्या 468 रकबा 0.013 हेक्टेयर ग्राम गढ़ी महदेइया, परगना व तहसील मलिहाबाद, जनपद लखनऊ में स्थित है। पीड़ित के अनुसार यह भूमि वर्ष 2008 में उसे आवंटित हुई थी और तब से वह लगातार उस भूमि पर शांतिपूर्ण तरीके से कब्जे में रह रहा है। कल्लू प्रसाद का आरोप है कि 8 मई 2026 को दोपहर लगभग 1 बजे गांव के ही राजकुमार पुत्र मूलचंद्र, गौरव पुत्र मूलचंद्र, मूलचंद्र पुत्र कुशाल समेत अन्य लोग अचानक उसकी जमीन पर पहुंचे और जबरन नाप-जोख करने लगे। पीड़ित का कहना है कि विपक्षी लोग उसकी भूमि पर अवैध कब्जा करने की नीयत से आए थे और जबरदस्ती जमीन को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहे थे। पीड़ित के मुताबिक जब उसने और उसके परिवार ने इस बात का विरोध किया तो आरोपियों का रवैया और आक्रामक हो गया। आरोप है कि विपक्षियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि अगर दोबारा जमीन के पास दिखाई दिए तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने विशेष रूप से यह भी उल्लेख किया है कि विपक्षी मूलचंद्र ने दबंगई दिखाते हुए कहा कि उसका बेटा राजकुमार सचिवालय में नौकरी करता है और उनकी पहुंच ऊपर तक है। इसी रसूख के दम पर विपक्षी गरीब परिवार की जमीन हड़पना चाहते हैं। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों की धमकियों से पूरा परिवार बेहद भयभीत और डरा हुआ है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मौके पर पुलिस बल भेजा जाए और उनकी पुश्तैनी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को रोका जाए। साथ ही आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर गरीब परिवार को न्याय दिलाया जाए। ग्रामीणों के बीच भी यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो किसी बड़े विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि रसूख और दबंगई के बल पर गरीबों की जमीन कब्जाने के प्रयास लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या रहीमाबाद पुलिस गरीब परिवार की शिकायत पर निष्पक्ष कार्रवाई करेगी या फिर दबंगों के रसूख के आगे मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा। फिलहाल पीड़ित परिवार न्याय की उम्मीद लगाए प्रशासन की ओर देख रहा है।

संक्षिप्त खबरें

संसारपुर गौ आश्रय स्थल का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिये निर्देश

महमूदाबाद-सीतापुर। जिलाधिकारी गणपति आर राजा ने विकास खण्ड पहला के संसारपुर स्थित अस्थायी गौ आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में संरक्षित गोवंश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौ आश्रय स्थल में पशुओं के लिए भूसा, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल तथा समय पर उपचार की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गोवंश के रख-रखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला की साफ-सफाई, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी के आकस्मिक निरीक्षण से संबंधित विभागों में सक्रियता देखी गई। इस अवसर पर डॉ. अंजली सिंह, उपजिलाधिकारी महमूदाबाद तथा उमाशंकर मिश्र, तहसीलदार महमूदाबाद भी उपस्थित रहे।

बटाईदार ने किया खेतिहर जमीन पर कब्जा

भूमि के मालिक पर ही खेत में आने पर लगाई रोक
पीड़ित ने एसीपी कृष्णा नगर को शिकायती पत्र देकर मांगा न्याय

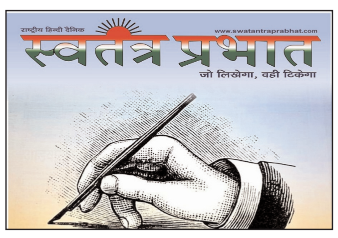

लखनऊ। ग्रामीण किसान अपनी कृषि भूमि को गाँव में ही बटाई पर देकर, पैदा की गयी फसल का 1/2 भाग लेते रहने का प्रचलन गाँवों में बदस्तूर जारी है। परन्तु यदि भूलवश जानकारी किये किसी ऐसे दबंग व्यक्ति को अपनी उपजाऊ भूमि बटाई पर दी है, तो उसकी बदनियती निखर कर तब सामने आती है, जब वह उक्त बटाई भूमि को अपनी सम्पत्ति समझकर कब्जा कर,भूमि स्वामी को अपनी ही जमीन पर आने व फसल लेने पर रोक लगा देता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बलदेव बिहार, तेलीबाग निवासी अतर सिंह ने सादुल्ला नगर,बन्थरा निवासिनी विजया सिंह स्व0 यशवन्त सिंह से खाता सं0-00002 गाटा सं0-141/3स रकबा 0.7590 हे0 भूमि को वर्ष 2011 में रजिस्टर्ड बैनामा कराकर क्रय किया था। पीड़ित अधिक दूर रहने के कारण ग्राम के ही सिराजुद्दीन से वार्ता कर खेतो में उत्पन्न फसल में से 1/2 भाग के हिस्सा लेने पर तय हुआ था। सिराजुद्दीन विगत वर्षो से अचानक फसल देना बन्द कर के स्वयं सम्पूर्ण फसल लेने लगा । पीड़ित ने अग्रिम फसल न बोने के बारे में कहा परन्तु उक्त व्यक्ति अपनी दबंगयी दिखाते हुए खेतों में पैदा की गयी रबी की फसल बाँटकर नहीं दी, और खेतों से भगा दिया। फसल कटने के उपरान्त पीड़ित जब अपनी भूमि की जुताई कराने गया तो सिराजुददीन अपने पारिवारिक सदस्यों को इकट्ठा करके, भद्दी-भद्दी गालियाँ देते हुए धमकाया कि यदि दोबारा खेतों में जुताई कराने या कब्जा लेने आये तो जान से हाथ धोना पड़ेगा । पीड़ित इनके दबंग व आतंक से डरकर काफी भयग्रस्त है, घटनाक्रम की एक तहरीर थाना बन्थरा में दी, परन्तु पुलिस द्वारा कार्यवाही न किये जाने से क्षुब्ध होकर सहायक पुलिस आयुक्त, कृष्णानगर लखनऊ को तहरीर देकर भूमि में सुरक्षित जुताई कराये जाने हेतु आरोपी पर विधिक कार्यवाही सुरक्षा प्रदान किये जाने की गुहार लगायी है।

आवश्यकता है

श्री रामपाल महाविद्यालय
बहेरिया, सण्डीला, हरदोई

बी.एससी. कृषि संकाय- सहायक आचार्य कृषि अर्थशास्त्र, सस्य विज्ञान योग्यता यू.जी.सी. मानक के अनुसार।

बी.एससी. (गणित/ विज्ञान) संकाय- सहायक आचार्य की आवश्यकता है वनस्पति विज्ञान योग्यता यू.जी.सी. मानक के अनुसार।

संपर्क सूत्र-7408106605
प्रबंधक- श्री रामपाल महाविद्यालय, बहेरिया, सण्डीला, हरदोइ

12 वर्षीय बालक की हत्या से सनसनी, बंद मकान में बेड के नीचे मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/ सीतापुर कोतवाली बिसवां क्षेत्र के ग्राम शहरी सराय में 12 वर्षीय बालक की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। लापता बच्चे का शव एक बंद पड़े मकान के कमरे में बेड के नीचे खून से लथपथ हालत में मिलने से गांव में दहशत और शोक का माहौल व्याप्त है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम शहरी सराय निवासी हमीद पुत्र स्वर्गीय तफज्जुल खां उर्फ नत्थू का 12 वर्षीय पुत्र अल्तमश, जो कक्षा 4 का छात्र था, 8 मई की शाम करीब 5 बजे घर से अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने देर रात तक उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। खोजबीन के दौरान परिजन एक बंद पड़े मकान में छत के रास्ते पहुंचे। वहां कमरे के अंदर बेड के नीचे अल्तमश का शव खून से सना हुआ मिला। शव को छिपाने के उद्देश्य से बेड के नीचे दो बक्से भी लगाए गए थे। बच्चे की गर्दन पर गंभीर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। मृतक के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में घर में मौजूद मुदस्सिर नामक युवक पर हत्या का संदेह जताया है। आरोप है कि घटना के बाद आरोपी मकान बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गन्ने की मशीन में फंसा युवक का हाथ, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के विश्वनाथ खेड़ा गांव में गन्ने की मशीन चलाते समय एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मशीन में उसका हाथ फंसने से वह लहूलुहान हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह मशीन बंद कर युवक को बाहर निकाला और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। गांव निवासी आदित्य (20) पुत्र रामचरन शुक्रवार को गन्ने की पेराई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका दायां हाथ मशीन में फंस गया। हादसे में उनका हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भावुक विदाई: 31 वर्षों की सेवा के बाद प्रधानाचार्या सेवानिवृत्त

● 'विद्यालय मेरा परिवार रहा '-चित्रा सोनकर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरावन। राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहुतीकला की प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रा सोनकर के सेवानिवृत्त होने पर शनिवार को विद्यालय परिसर में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह एवं विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने उन्हें नम आंखों से भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय की नई प्रधानाचार्या डॉ. ऐमन नफीस अहमद ने चित्रा सोनकर का माल्यार्पण कर शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विदाई गीतों ने समारोह को भावुक बना दिया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि चित्रा सोनकर ने अपने 31 वर्षों के कार्यकाल में अनुशासन, शिक्षा की गुणवत्ता तथा विद्यालय के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने भावुक उद्बोधन में चित्रा सोनकर ने कहा कि 'यह विद्यालय मेरे लिए परिवार की तरह रहा है। यहां के शिक्षकों का सहयोग और छात्र-छात्राओं का स्नेह सदैव मेरी स्मृतियों में जीवित रहेगा।' उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन एवं ईमानदारी के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी दी। समारोह में प्रिया मिश्रा, मीरा यादव, नीलम यादव, प्रधानाचार्या श्वेता यादव, अनुपम देवी, निधि मिश्रा,ममता प्रजापति, जूली, प्रधानाचार्य रामसुजान मिश्रा, हरगोविंद सिंह एवं मनोज तिवारी रहे।

'Patent Laws and Copyright Protection' विषय पर एक तकनीकी व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), यू.पी. स्टेट सेंटर, लखनऊ द्वारा 'Patent Laws and Copyright Protection' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन दिनांक 09 मई, 2026 को इंजीनियर्स भवन, आई.ई.आई., रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में अधिवक्ता राज विक्रम सिंह (सॉलिसिटेशन एवं आर्ग्युइंग काउंसिल, उच्च न्यायालय इलाहाबाद लखनऊ पीठ, न्यायिक क्षेत्र, लखनऊ एवं सर्वोच्च न्यायालय) ने सहभागिता की। अपने व्याख्यान में उन्होंने पेटेंट कानून एवं कॉपीराइट संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights) नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी प्रगति के साथ बौद्धिक संपदा की सुरक्षा का महत्व और अधिक बढ़ गया है, तथा अभियंताओं, शोधकर्ताओं एवं उद्यमियों को इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, कॉपीराइट संरक्षण के प्रावधानों तथा कानूनी चुनौतियों पर भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 (डॉ.) भारत राज सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी व्याख्यान अभियंताओं, विद्यार्थियों एवं उद्योग जगत के लिए अत्यंत उपयोगी हैं तथा इनसे विधिक एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि होती है। उन्होंने मुख्य वक्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संस्था द्वारा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की बात कही कार्यक्रम के संयोजक इं. के.पी. त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय संस्था के मानद सचिव इं. एन.के. निषाद द्वारा किया गया। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सफाई कर्मियों की लापरवाही से कूड़े में लगी आग

● दुकानदारों में मची अफरा तफरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। विकासखंड क्षेत्र की ग्राम सभा वलौली में शनिवार को सफाई के दौरान कूड़े में लगाई गई आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया। आग तेजी से फैलने लगी। इससे आसपास के दुकानदारों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने खुद ही आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आस पास के दूकानदारों ने बताया कि सड़क किनारे सफाई कर रहे सफाई कर्मियों ने जमा कूड़े में आग लगा दी थी। शुरुआत में आग सामान्य लग रही थी लेकिन कुछ ही देर में तेज हवा के कारण लपटें बढ़ गईं। आग आसपास पड़े दूसरे कूड़े और सूखी घास तक पहुंच गई। धुआं और लपटें देखकर दुकानदार अपनी दुकानों से बाहर निकल आए। कई लोग घरों से बाल्टी और डिब्बों में पानी लेकर मौके पर पहुंचे। काफी देर तक स्थानीय लोग और सफाई कर्मी आग बुझाने में जुटे रहे, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद घटना की सूचना फायर ब्रिगेड और ब्लॉक अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही बीडीओ गगनदीप सिंह कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जहां पर आग लगी थी वहां से फायर स्टेशन की दूरी बहुत कम है। इसके बावजूद दमकल वाहन पहुंचने में देर हुई। फायर स्टेशन के कर्मचारियों ने बताया कि आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में महामहिम राज्यपाल के कार्यक्रम को लेकर फायर स्टेशन के प्रभारी समेत अधिकतर कर्मचारी वहां ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी कारण दमकल टीम को पहुंचने में समय लगा। बाद में पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों और सफाई कर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद दुकानदारों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। फायर स्टेशन प्रभारी मुकेश गिरी ने बताया कि कूड़े में आग लगने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझा दी है। घटना से कोई हानि नहीं हुई है।

सेठ रामगुलाम पटेल इंटर कॉलेज में मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। सेठ रामगुलाम पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत सेठ रामगुलाम पटेल इंटर कॉलेज, महमूदाबाद में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के डायरेक्टर इंजी. क्षितिज चंद्रा ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करके किया। इस अवसर पर डायरेक्टर इंजी. क्षितिज चंद्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम सभी वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती के पावन अवसर पर एकत्रित हुए हैं। यह दिन केवल एक महान राजा को स्मरण करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों, त्याग और संघर्ष से प्रेरणा लेने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं और विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर अनुशासन, साहस और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए। यदि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो एक मजबूत और श्रेष्ठ समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी को संकल्प दिलाते हुए कहा कि देश, समाज और संस्कृति के सम्मान की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है तथा हमें सदैव सत्य और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में सेठ रामगुलाम पटेल इंटर कॉलेज के सीनियर सुपरवाइजर आर.बी. गुप्त, प्रधानाचार्य सुधीर कुमार, एनसीसी के एसोसिएट ऑफिसर दुर्गेश यादव, फील्ड कोऑर्डिनेटर उमेश कुमार, ऑफिस सुपरिटेंडेंट वीरेंद्र कुमार सहित सेठ रामगुलाम डिग्री कॉलेज एवं सेठ रामगुलाम मुनेश्वर प्रसाद आईटीआई के प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

हाईवे पर दंपति से मारपीट महिला की चेन छीनने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बाल्हेमऊ नहर पुलिया के पास शुक्रवार देर रात बाइक सवार दंपति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बदमाशों पर गले की चेन छीनने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर रात तक इलाके में तलाश की, लेकिन आरोपितों का पता नहीं चल सका। रायबरेली शहर के राना नगर मोहल्ला निवासी सोनी अपने पति आसिफ और बहन सोनम के साथ बाइक से कस्बे में रिश्तेदार के यहां बर्थडे पार्टी में शामिल होने आ रही थीं। महिला की गोद में तीन साल का बच्चा भी था। पीड़िता के अनुसार टोल प्लाजा के पास से ही दो बाइक पर सवार चार युवक उनकी बाइक के आगे पीछे घूम रहे थे। बाल्हेमऊ नहर पुलिया के पास पहुंचते ही युवकों ने ओवरटेक कर बाइक रुकवा ली। आरोप है कि बदमाशों ने महिला के गले की चेन छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर दंपति के साथ मारपीट की और चेन लेकर भाग निकले। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ युवक बाइक से लालगंज की ओर भागे जबकि एक युवक नहर किनारे झाड़ियों में छिप गया था। बाद में अंधेरे का फायदा उठाकर वह भी फरार हो गया। मामले की जानकारी को लेकर प्रभारी निरीक्षक से फोन पर सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन पक्ष नहीं जाना जा सका है।

हिंदी साहित्य के युग प्रवर्तक आचार्य द्विवेदी को किया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार स्थित श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में शनिवार को हिंदी साहित्य के महान साहित्यकार आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। हिंदी प्रवक्ता दिलीप द्विवेदी ने कहा कि आचार्य द्विवेदी ने हिंदी भाषा को सरल, शुद्ध और प्रभावशाली स्वरूप दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के सम्मान और अध्ययन के लिए प्रेरित किया। शिक्षक राकेश मिश्रा ने कहा कि आचार्य द्विवेदी ने हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना को मजबूत किया। डॉ. कमलकांत ने उनके साहित्यिक योगदान और हिंदी पत्रकारिता में निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरस्वती पत्रिका के माध्यम से आचार्य द्विवेदी ने कई साहित्यकारों को नई पहचान दिलाई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अनूप पांडेय ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आचार्य द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेने की अपील की। प्रधानाचार्य अवनीन्द्र पांडे ने कहा कि आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी हिंदी के नए युग के सूत्रधार थे। उन्होंने हिंदी भाषा को व्यवस्थित और जनसामान्य के अनुरूप बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में भाषा और संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं और शिक्षक मौजूद रहे।

सोनी किन्नर द्वारा निर्माणाधीन मंदिर पर विधि-विधान से स्थापित हुए कलश

बिसवां/सीतापुर। नगर के सीतापुर रोड स्थित ओवरब्रिज के पास समाज सेविका सोनी किन्नर द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को अयोध्या के गोपाल आश्रम से पधारे बाबा गगन महाराज के संरक्षण एवं सानिध्य में मंदिर शिखर पर विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन कर कलश स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच मंदिर के ऊपर कलश स्थापित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की तथा मंदिर निर्माण कार्य की सराहना की। नगरवासियों ने समाज सेविका सोनी किन्नर द्वारा कराए जा रहे इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे आस्था और जनसेवा से जुड़ा सराहनीय प्रयास बताया। कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा।

हाफिज मुन्ना शाह का दो दिवसीय उर्स संपन्न

सूफ़ियाए किराम की शिक्षाओं पर अमल करना हमारा परम कर्तव्य है :- एजाज़ हसन,सज्जादानशीन

खैराबाद। सीतापुर स्थानीय दरगाह हाफ़िज़ मुन्ना शाह कटरा में हज़रत हाफ़िज़ मोहम्मद अली शाह उर्फ बड़े हाफ़िज़ साहब के मुरीद व ख़लीफ़ा हज़रत हाफिज मुन्ना शाह अलैहिर्रहमा का दो दिवसीय उर्स आज समाप्त हो गया इससे पूर्व दरगाह हाफ़िज़िया अस्लमियाँ से जुलूस चादर सज्जादानशीन एजाज़ हसन खान एडवोकेट की सरपरस्ती में उठाया गया जो विभिन्न मार्गो से होता हुआ दरगाह शरीफ पहुंचा जहां देर रात तक क़व्वाली होती रहीं उसके बाद आज प्रातः क़ुरआन ख्वानी हुई और दोपहर में महफ़िले समा शुरू हुई और सांय काल क़ुल शरीफ हुआ इस अवसर पर सज्जादानशीन एजाज़ हसन ने देश मे अमन शांति की दुआ की और अपील करते हुए कहा कि हम सबको एक और नेक बन कर रहना चाहिए हमसे किसी को भी कोई तकलीफ न पहुंचे।इस अवसर पर दरगाह हज़रत बड़े मखदूम साहब के सज्जादानशीन नजमुल हसन शोएब मियां , सैय्यद फरमान मियां चिश्ती, सैय्यद लाईक अहमद किरमानी, सैय्यद मुत्तसिब जूनू किरमानी,शबीह अहमद, गुफरान खान, हाजी यूसुफ खान,इमरान किरमानी, मौलाना तौक़ीर अत्तारी सैय्यद अफजाल किरमानी, हाफ़िज़ अरसलान हसनी हाफ़िज़ सैय्यद ताहिर किरमानी,हसन खान,इफ़हाम खान, आफताब अहमद खान, शफ़ीक़ अहमदआदि मौजूद थे।इसी के साथ हाफिज मुन्ना शाह का उर्स समाप्त हो गया।सज्जादानशीन एजाज़ हसन खान ने सभी का शुक्रिया भी अदा किया।

मलिहाबाद में माहौल बिगाड़ने की साज़िश नाकाम

● ....शांतिपूर्ण ज्ञापन कार्यक्रम को भड़काने की कोशिश विफल

.....अर्कवंशी समाज की सूझबूझ और पुलिस की तत्परता से टला संभावित विवाद, बाहरी तत्वों पर माहौल खराब करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में विवादित स्मृति द्वार के विरोध में आयोजित ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कुछ अज्ञात लोगों द्वारा भीड़ को भड़काकर सामाजिक और जातीय तनाव फैलाने की कथित कोशिश की गई। हालांकि स्थानीय सामाजिक नेताओं, अर्कवंशी समाज के प्रतिनिधियों और पुलिस प्रशासन की सक्रियता एवं समझदारी के चलते बड़ी अप्रिय घटना टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 08 मई 2026 को आयोजित यह कार्यक्रम पूरी तरह लोकतांत्रिक, संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, जिसमें अर्कवंशी समाज के लोग भारी संख्या में अपनी मांगों और विरोध को दर्ज कराने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोग अनुशासित तरीके से अपनी बात रख रहे थे, लेकिन कार्यक्रम के अंतिम चरण में अचानक कुछ बाहरी और अज्ञात 4 से 6 लोगों द्वारा भीड़ में घुसकर माहौल खराब करने, गाली-गलौज करने और लोगों को उकसाने का प्रयास किया गया। सूत्रों के अनुसार इन लोगों का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना और जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना था। स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण जरूर हुई, लेकिन स्थानीय सामाजिक नेताओं और अर्कवंशी समाज के जिम्मेदार लोगों ने संयम और सूझबूझ का परिचय देते हुए लोगों को शांत रखा और किसी भी प्रकार की हिंसक प्रतिक्रिया से बचाया। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी तत्काल हस्तक्षेप किया और उन अज्ञात लोगों को सुरक्षित तरीके से भीड़ से बाहर निकाल लिया, जिससे संभावित टकराव और बड़ी घटना को समय रहते टाल दिया गया। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई न होती तो कुछ असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने में सफल हो सकते थे। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ राजनीतिक स्वार्थी तत्व अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए मलिहाबाद जैसी भाईचारे और सौहार्द की धरती को जातीय संघर्ष की आग में झोंकने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि क्षेत्र की जनता ने ऐसे प्रयासों को पूरी तरह नकारते हुए सामाजिक एकता बनाए रखने का संदेश दिया है। लोगों का कहना है कि मलिहाबाद की जनता अब ऐसे राजनीतिक षड्यंत्रों को समझ चुकी है और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को कभी माफ नहीं करेगी।

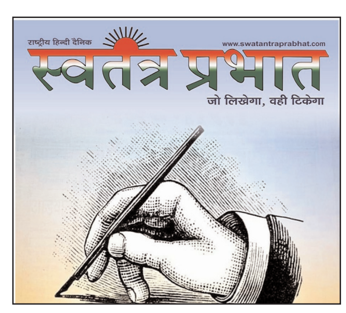

संक्षिप्त खबरें

वरजो इलेक्ट्रिक बाइक का पांचवा ब्रांच का भव्य शुभारंभ

बेतिया। नगर बेतिया के मनसा टोला स्थित वरजो इलेक्ट्रिक बाइक की पांचवी शाखा का भविष्य शुभारंभ प्रोपराइटर शाहिद अली के माता सहित परिवार के द्वारा सामूहिक रूप से फीता काटकर इस शोरूम का उद्घाटन किया गया. बता दे की प्रोपराइटर शाहिद अली ने बताया कि इंडिया की सबसे बेस्ट इलेक्ट्रिक बाइक में एक वरजो इलेक्ट्रिक बाइक है जो अत्यधिक डिमांडों और क्षेत्रीय सुविधा के अनुकूल ग्राहकों की मांग पर पांचवी शाखा का आज उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ है उन्होंने बताया कि इंडिया की सबसे बेस्ट सवारी में एक सवारी वरजो की सवारी है इस इलेक्ट्रिक बाइक की खासियत यह है कि इसके सभी पार्ट्स सेल एंड सर्विस सेंटर में ही उपलब्ध कराए गए हैं ग्राहकों को इसके पार्ट्स के लिए इंतजार नहीं करना होगा, एट प्रजेंट में उनको सारी सुविधा सर्विस के समय ही उपलब्ध कराई जाएगी, बता दे कि इसकी प्रमुख एवं प्रथम शाखा रेड क्रॉस भवन के 10 कदम आगे है और दूसरी ब्रांच जो इमली चौक स्थित जहां सेल सर्विस के साथ-साथ बाइक के पार्ट्स भी मौजूद है, ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार यहां से भी इस चीज का लाभ उठा सकते हैं। वही जो मनसा टोला में इस इलेक्ट्रिक बाइक का भव्य शुभारम्भ हुआ है काफी संख्या में शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे, एवं इस इलेक्ट्रिक बाइक की खासियतो के बारे में जाना, यहां आम नागरिक चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र से हो या शहरी क्षेत्र से हो मजदूर हो, किसान हों अपनी सुविधा के अनुसार यातायात की दृष्टिकोण से अत्यधिक एवं कम दूरी के अनुकूल ऐसे मजबूत इलेक्ट्रिक बाइक को अपने लिए ले सकते हैं, जो कम दरों में करीब 33 हजार कीमत में और अत्यधिक दरों में करीब 60 से 65 हजार की कीमतों में इस ब्रांच में 9 वेरिएंट में मौजूद है। कंपनी के पश्चिमी चम्पारण डिस्ट्रीब्यूटर शहनवाज द्वारा यह बताया गया कि 33हजार कीमत वाले इलेक्ट्रिक बाइक जो एक चार्जिंग में करीब 60 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, इसके अलावा 60हजार से ऊपर की कीमत वाली इलेक्ट्रिक बाइक 120 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर सकती है, कंपनी से संपर्क करने के लिए प्रोपराइटर शाहिद अली जिनका संपर्क नंबर 7250 299 295 पर ग्राहक संपर्क कर सकते हैं और इस इलेक्ट्रिक बाइक का लुफ्त उठा सकते हैं।

बरेली में फन सिटी के पास से सेल्समैन का अपहरण

फोन पर मांगी एक लाख की फिरौती

बरेली। देर रात फन सिटी के पास से एक युवक का अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ताओं ने युवक के पिता से एक लाख रुपए की फिरौती मांगी। नहीं देने पर बेटे की हत्या की धमकी दी। सूचना पर तत्काल ही पुलिस की तीन टीम लगी और सीसीटीवी फुटेज आदि के आधार पर कार को ट्रेस कर लिया है। चार अपहरण करने वाले आरोपितों में से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर युवक को बरामद कर लिया है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, भुता के सिसैया गांव निवासी अभिषेक शराब की दुकान पर सेल्समैन का काम आकृति हैं। शनिवार देर रात वह अपने चार दोस्तों के साथ दो बाइक से बरेली से वापस गांव की तरफ जा रहे थे। इसी बीच फन सिटी के पास एक सफेद रंग की क्रेटा कार से उनकी बाइक को टक्कर लग गई। कार में चार लोग सवार थे। शुरुआत में दोनों पक्षों में विवाद हुआ और फिर अचानक से आरोपितों ने अभिषेक को उठाया और कार में जबरन डालकर फरार हो गए। आनन फानन में अन्य दोस्त इज्जतनगर थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को अपहरण की जानकारी दो तो पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए तो वही कार दिखाई दी। पुलिस ने कार का पीछा किया और आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने कार के नंबर से उसके मालिक का पता निकालने का प्रयास किया तो कार गाजियाबाद में एमएस इंडियन स्टील कंपनी के नाम दर्ज मिली। इसी बीच अपहरणकर्ताओं ने अभिषेक के पिता को फोन कर एक लाख रुपए की रंगदारी भी मांगी। नहीं देने पर उसकी हत्या की धमकी दी। घबराए स्वजन भी थाने पहुंचे। इसी बीच पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर कार को ट्रेस किया और लोकेशन के आधार पर एयरफोर्स के पास जंगल से कार बरामद कर ली। उसके अंदर अभिषेक भी थे। पुलिस ने मौके से एक आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह मूल रूप से क्योलडिया का निवासी है। आरोपित ने बताया कि अपहरण में उसके साथ नवाबगंज के रिछोला निवासी विमल, क्योलडिया के गुलरिया निवासी आकाश और हरनेश भी शामिल थे। फिरौती की रकम आकाश ने ही मांगी थी। पुलिस ने अभिषेक को सकुशल स्वजन को सुपुर्द कर दिया है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

पहले वंदे मातरम् फिर जन गण मन... विजय के शपथ ग्रहण समारोह में गाया गया राष्ट्रगीत

● तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने चेन्नई में शपथ ली, जहां उनके शपथ ग्रहण समारोह में पहले वंदे मातरम् और फिर राष्ट्रगान गाया गया।

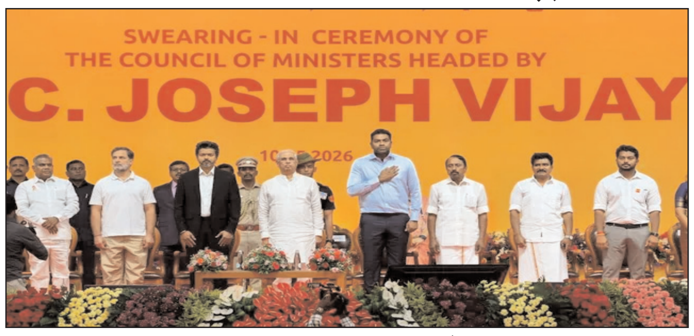

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। चेन्नई का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम आज उस वक्त हजारों लोगों की तालियों और नारों से गूंज उठा, जब तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने टीवीके के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद शपथ ग्रहण की।

विजय के शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् पूरे स्वर में गाया गया। इसके बाद राष्ट्रगान जन गण मन और राज्य गीत तमिल थाई वाजथु गाया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के जनवरी में आदेश था कि जब राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान एक साथ बजाए जाएंगे तो बंगाली कवि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् के सभी छह पद सबसे पहले गाए जाएंगे।

विजय बने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस समारोह में उनके माता-पिता और कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी उपस्थित थे। राज्यपाल आर.वी. अर्लेकर ने विजय और उनके मंत्रिमंडल के नौ सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, जिनमें अनुभवी के.ए. सेनगोट्टैयन और युवा चेहरे टी.के. प्रभु तथा एस. कीर्तना शामिल थे।

वंदे मातरम् का 150वां साल मना रही केंद्र सरकार

केंद्र सरकार वंदे मातरम् का 150वां वर्ष मना रही है, जिसने ब्रिटिश शासन से आजादी की लड़ाई में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। हाल ही में कुछ ही दिन पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में एक संशोधन को मंजूरी दी है, जिसके तहत वंदे मातरम् को भी वही वैधानिक सुरक्षा प्रदान की गई है जो राष्ट्रगान को प्राप्त है।

सुवेंदु के शपथ ग्रहण में नहीं बचा राष्ट्रगीत

हालांकि, शनिवार को जब बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, तब राष्ट्रगीत नहीं बजाया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

कानपुर में 22 केंद्रों पर दूसरे दिन पीजीटी परीक्षा शुरू

कानपुर ग्रामीण। कानपुर में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित पीजीटी भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को जिले के 22 केंद्रों पर परीक्षा कराई जा रही है, सुबह 9,30 बजे शुरू होने वाली पहली पाली के लिए अभ्यर्थियों को कडी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रवेश दिया गया, परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कई स्तर लागूं किए गए,, सबसे पहले पुलिस कर्मियों ने प्रवेश पत्र, आधार कार्ड, और अभ्यर्थी के फोटो का मिलन किया गया, इसके बाद दूसरी बार तलाशी ली गई,ताकि किसी भी प्रकार की नकल सामग्री अंदर न जा सके,सभी जांच के बाद अभ्यर्थियों की रेटिना स्कैनिंग कर उनकी पहचान सुनिश्चित की गई,, रविवार को दोनों पालियो में कुल 18,825 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, बड़ी संख्या में बाहर के जिलों से आए अभ्यर्थी शनिवार रात ही कानपुर पहुंच गए थे,ताकि समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंच सके कई अभ्यर्थी रेलवे स्टेशन और बस अड्डो से परीक्षा देने आते जाते नजर आए, परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए केंद्रों पर पुलिस बल के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी भी तैनात हैं, प्रशासन ने केंद्र व्यवस्थापको को पूरी सतर्कता बरतनै और किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सूर्यकुमार यादव ने बेटी का नाम रखा रिद्धिमा

● भारतीय टी20 टीम के क?तान सूर्यकुमार यादव हाल ही में पिता बने थे। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी देविशा शेट्टी ने 7 मई 2026 को एक बेटी का स्वागत किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव हाल ही में पिता बने थे। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी देविशा शेट्टी ने 7 मई 2026 को एक बेटी का स्वागत किया। इस कपल ने अपनी बेटी का नाम रिद्धिमा रखा है। ऐसे में फैंस जानना चाहते हैं कि आखिर इस नाम का मतलब क्या होता है।

रिद्धिमा का मतलब होता है प्रेम से परिपूर्ण, समृद्ध, खुशहाल। सूर्यकुमार यादव इन दिनों आईपीएल 2026 खेलने में व्यस्त हैं। आज मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। यह मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में शाम 7 बजे शुरू होगा। स?काई यह मुकाबला खेलेंगे या नहीं यह अभी तक साफ नहीं हुआ है। आईपीएल 2026 में सूर्या अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

गैस सिलेंडर की गंभीर कमी, जनता बेहाल

● प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दुल्लभछड़ा इलाके में पिछले कुछ हफ्तों से घरेलू गैस सिलेंडर की गंभीर किल्लत देखने को मिल रही है। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि आम लोगों का दैनिक जीवन लगभग ठप पड़ गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पहले जहां बुकिंग के 24 से 72 घंटे के भीतर ओटीपी और डिलीवरी की पुष्टि मिल जाती थी, वहीं अब यह व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई है। कई उपभोक्ताओं को निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी न तो ओटीपी मिल रहा है और न ही गैस आपूर्ति की कोई जानकारी। इससे लोगों में भारी असंतोष और अनिश्चितता का माहौल है। लोगों का यह भी कहना है कि इस तरह की देरी और अव्यवस्था असामान्य है और उपभोक्ताओं को परेशान करने जैसी स्थिति पैदा कर रही है। पहले ऐसी समस्या इतनी गंभीर नहीं थी, लेकिन अब बार-बार इस तरह की दिक्कतें सामने आ रही हैं, जिससे सवाल खड़े हो रहे हैं। लगातार बारिश और खराब मौसम ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। कई परिवारों के पास खाना बनाने के लिए वैकल्पिक ईंधन तक नहीं बचा है, जिससे वे भारी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। विशेषकर बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं। दुल्लभछड़ा गैस एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि विभागीय स्तर से पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिसके कारण मांग के अनुसार वितरण संभव नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उच्च अधिकारियों को कई बार सूचित किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। वहीं, स्थानीय लोगों का एक वर्ग यह भी आशंका जता रहा है कि आसपास के क्षेत्रों में सामान्य आपूर्ति होने के बावजूद दुल्लभछड़ा में बार-बार संकट क्यों उत्पन्न हो रहा है। इसे लेकर वे किसी तरह की अनियमितता या लापरवाही की जांच की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जल्द से जल्द गैस आपूर्ति को सामान्य किया जाए। उनका कहना है कि अगर यह स्थिति यूं ही जारी रही तो जनआक्रोश और भी बढ़ सकता है।

150 राम भक्तों का जत्था दो बसों से अयोध्या रवाना

अतरौली (हरदोई)। ब्लॉक की ग्राम पंचायत टिकरा के ग्राम कुम्भरनखेड़ा एवं बम्भनौआ अलमशाह से रविवार को करीब 150 राम भक्तों का जत्था अयोध्या के लिए निःशुल्क बस, भोजन एवं चाय की व्यवस्था के साथ श्रद्धापूर्वक रवाना किया गया। श्रद्धालुओं को लेकर दो बसों को बम्भनौवा तिराहे से अधिवक्ता अजय कुमार सिंह 'आदित्य' ने हरी झंडी दिखाकर विदा किया। इस अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान किशनपाल सिंह, पंकज प्रजापति, रामविलास पाल, नीतू पाल, ममता रावत, प्रियांशी रावत, अनूप विश्वकर्मा, रिंकी प्रजापति, सरोजनी पाल, कमलेश, सुनील रावत, मेवा रावत, रमेश पासी, ज्ञानेंद्र सिंह एवं किशन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मां नरगिस को याद कर इमोशनल हुए संजय दत्त, सामने आई बचपन की क्यूट तस्वीरें

● 66 साल के संजय दत्त अपनी मां के बेहद करीब थे. अक्सर वो अपनी मां को याद करते हैं. उनकी मां नरगिस दत्त का 51 साल की उम्र में 1981 में निधन हुआ था. अब संजय ने मदर्स डे के मौके पर एक इमोशनल पोस्ट के साथ कई यादगार तस्वीरें शेयर की हैं. उन्होंने कहा है कि वो अपनी मां को बहुत याद करते हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

10 मई को मदर्स डे मनाया जा रहा है. इस खास दिन पर आम लोगों के साथ-साथ फिल्मी सितारे भी अपनी मां के लिए प्यारे प्यारे पोस्ट लिख रहे हैं. जिनकी माएं उनके साथ हैं वो भी सोशल मीडिया पर इस दिन को मना रहे हैं और जिनकी मां इस दुनिया को छोड़ गई, वो सितारे भी मदर्स डे पर मां को याद कर रहे हैं. अभिनेता संजय दत्त ने भी अपनी मां को याद किया है और सोशल मीडिया पर मां के साथ कई पुरानी और खास तस्वीरें शेयर की हैं। संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर अपने बचपन की कई तस्वीरें शेयर की हैं. ये तस्वीरें उनके बेहद छोटे से लेकर जवान होने तक की हैं. तस्वीरों में संजय दत्त और उनकी मां की बॉन्डिंग साफ देखी जा सकती है। संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस दत्त के बेहद करीब थे. ऐसे में मदर्स डे के मौके पर उन्होंने एक इमोशनल और यादों से भरा पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मम्मा, आपकी बहुत याद आती है. काश आप यहां मेरे साथ होतीं. आपका प्यार और दुआएं हमेशा मेरे साथ हैं. लव यू मॉम। 'संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर चार तस्वीरें शेयर की हैं. तस्वीरें संजय के अलग अलग उम्र की हैं. एक तस्वीर में संजय अपनी मां और बहनों के साथ नज़र आ रहे हैं. उनकी बहन प्रिया दत्त और नम्रता दत्त तस्वीर में मां नरगिस के साथ दिखाई दे रही हैं। गौरतलब है कि संजय दत्त की मां और लेजेंड्री एक्ट्रेस नरगिस सिर्फ 51 साल की उम्र में ही इस दुनिया को अलविदा कह गई थीं. उन्हें नैक्रियाटिक कैंसर था. संजय की पहली फिल्म 'रॉकी' के प्रीमियर से पहले ही उनका निधन हो गया था. रॉकी 8 मई 1981 को पर्दे पर आई और उससे पांच दिन पहले 3 मई को नरगिस इस दुनिया को छोड़ गई थीं।

हंटावायरस के डर के बीच अब नोरोवायरस ने बढ़ाई चिंता

● कैरेबियन क्रूज पर 100 लोग बीमार पड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कैरेबियन प्रिंसेस नाम के लग्जरी क्रूज शिप पर नोरोवायरस फैलने से 100 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं. अमेरिका की स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (CDC) के मुताबिक, जहाज पर 102 यात्री और 13 क्रू मेंबर बीमार पड़े हैं. यानी कुल 115 लोगों में संक्रमण जैसे लक्षण मिले हैं. बीमार लोगों में उल्टी और दस्त की समस्या देखी गई है, जो नोरोवायरस के आम लक्षण हैं। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ दिन पहले एक दूसरे क्रूज शिप पर हंतावायरस फैलने से तीन लोगों की मौत हो गई थी. उस घटना के बाद अब इस नए संक्रमण ने भी चिंता बढ़ा दी है. कैरेबियन प्रिंसेस जहाज 28 अप्रैल को अमेरिका के फ्लोरिडा से रवाना हुआ था. इस 13 दिन की यात्रा में जहाज पर 3,116 यात्री और 1,131 क्रू मेंबर सवार थे।

7 मई को बीमारों की संख्या ज्यादा हुई

जहाज ने बहामास, अरूबा, कुराकाओ, बोनायर, सेंट मार्टिन, प्यूर्टो रिको, डोमिनिकन रिपब्लिक और नासाउ जैसे कई जगहों का सफर किया. 7 मई तक जहाज पर बीमार लोगों की संख्या तय सीमा से ज्यादा हो गई थी. इसके बाद जहाज की तरफ से CDC को इसकी जानकारी दी गई. CDC के नियमों के मुताबिक, अगर जहाज पर 3% से ज्यादा लोग बीमार हो जाएं तो इसकी सार्वजनिक जानकारी देना जरूरी होता है. क्रूज कंपनी प्रिंसेस क्रूज ने कहा कि यह हल्की पेट की बीमारी थी. कंपनी के मुताबिक, सभी लोग एक साथ बीमार नहीं हुए थे और कई यात्री अब ठीक भी हो चुके हैं। संक्रमण फैलने के बाद जहाज पर सफाई और सैनिटाइजेशन बढ़ा दिया गया. जहाज के हर हिस्से को बार-बार साफ किया गया ताकि वायरस को फैलने से रोका जा सके. कंपनी ने कहा कि 11 मई को जहाज के पोर्ट कैनावेरल पहुंचने के बाद उसकी पूरी तरह सफाई और डिसइन्फेक्शन किया जाएगा. जहाज पर मौजूद यात्री जान वैन मिलिगन ने बताया कि माहौल अभी भी सामान्य है. लोग शो देख रहे हैं, खाना खा रहे हैं और यात्रा जारी है. उन्होंने कहा कि क्रूज स्टाफ ने संक्रमण रोकने के लिए जरूरी सावधानियां बरतीं हैं।

क्या है नोरोवायरस?

नोरोवायरस एक तेजी से फैलने वाला वायरस है, जो पेट और आंतों में संक्रमण करता है. इससे उल्टी, दस्त, पेट दर्द, मतली, हल्का बुखार और शरीर दर्द हो सकता है. यह वायरस संक्रमित खाना, पानी, गंदी सतहों और संक्रमित लोगों के संपर्क से फैलता है. क्रूज शिप जैसी बंद जगहों में यह बहुत तेजी से फैल सकता है।

मजबूरी की तस्वीर: जब एंबुलेंस नहीं मिली तो बीमार पत्नी को ठेले पर लादकर निकला बुजुर्ग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड की तैयारी कर रहे जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं बदहाल हैं। मरीजों को एंबुलेंस तक नहीं मिल रही हैं। लोग ठेले पर ही मरीज को ले जाने पर मजबूर हैं। शनिवार को एक बुजुर्ग इलाज न मिलने पर अपनी बुजुर्ग पत्नी को ठेले पर ही लेकर चला गया। उसने एंबुलेंस न मिलने की बात कही है। इसका इंटरनेट मीडिया पर वीडियो भी प्रसारित हुआ है। अधिकारी मरीज को हायर सेंटर रेफर करने के बाद पति पर गुस्सा होकर जबरन मरीज को ले जाने का हवाला दे रहे हैं। इसके अलावा एक और वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें अस्पताल की मोर्चरी से एक बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए आटो में ले जाते स्वजन दिख रहे हैं। जबकि शव को एंबुलेंस में भेजा जाना चाहिए। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो में एक बुजुर्ग पत्नी बीमार पत्नी को ठेले पर लिटाकर ले जाते हुए दिख रहे हैं। वह कह रहे हैं कि अस्पताल में कोई देखने वाला नहीं है, क्या करें। इलाज नहीं हो रहा है।अब घर ले जाएंगे, मर जाए तो मर जाए। पत्नी को एंबुलेंस से लेकर आए थे। इस संबंध में जिला अस्पताल के प्रभारी एडीएसआइसी डा. रमेश दीक्षित ने बताया कि बुजुर्ग महिला हीराकली को तीन दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वरिष्ठ फिजीशियन डा. अजय मोहन अग्रवाल की देखरेख में महिला का इलाज चल रहा था। महिला इमरजेंसी में प्रथम तल पर फीमेल मेडिसन वार्ड में भर्ती थी, सांस लेने में तकलीफ होने पर निचले तल में भर्ती किया गया। हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया था लेकिन बुजुर्ग जबरन महिला को अपने साथ ठेले पर लेकर चले गए।

दिल्ली में 16 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या, इलाके में मची सनसनी; आरोपी की तलाश जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर-पूर्व जिले के न्यू उस्मानपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गौतम विहार में एक 16 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस हत्याकांड को लेकर इलाके में सनसनी फैली हुई है। पुलिस आरोपी की तलाश में लगी हुई है और जल्द ही गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमराध पर रात्रि निवास न करने व कैंपस में साफ साफाई न होने पर कर्मचारियों का 7 दिन का वेतन रोका गया

भदोही- रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमराध व कटरा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के निरीक्षण किया इस मौके पर पाया गया कि एलटी वार्ड बॉय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रात्रि निवास नहीं करते तथा कैंपस में साफ सफाई दुरुस्त नहीं पाई गई जिससे एलटी वार्ड बॉय चौकीदार का 7 दिन का वेतन अग्रिम आदेश तक बाधित किया गयो।

गैस वितरण में गड़बड़ी पर सख्ती, बगहा अनुमंडल क्षेत्र में एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

● 24 घंटे में 12 हजार से अधिक सिलेंडरों की होम डिलीवरी, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। जिले में गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वितरण व्यवस्था में गड़बड़ी एवं उपभोक्ताओं से अभद्र व्यवहार की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बगहा अनुमंडल अंतर्गत एक गैस वितरक एजेंसी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी गयी है। उन्होंने कहा कि घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 25,386 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1,434 वाणिज्यिक सिलेंडर उपलब्ध हैं। उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वितरण व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से सुदृढ़ किया गया है। जिला प्रशासन लगातार गैस आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी कर रहा है ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके और अनावश्यक विलंब का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 12,465 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी करायी गयी है, जो प्रशासन की सक्रियता एवं बेहतर समन्वय को दर्शाता है। इसके साथ ही गैस आपूर्ति से संबंधित प्राप्त 15 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से जुड़ी किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या शिकायत होने पर वे जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को औरंगजेब बताने पर भड़की भाजपा, केजरीवाल पर किया पलटवार

● ईडी छापों के बाद अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को औरंगजेब बताया, जिस पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। पंजाब सरकार में मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां ईडी की छापामारी के बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर न सिर्फ पंजाब के लोगों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया बल्कि उनकी तुलना मुगल शासक औरंगजेब से भी कर डाली। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा ने केजरीवाल पर पंजाब में उगाही के साथ ही औरंगजेब की तरह काम करने का आरोप लगाया है। शनिवार को आप मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही बंगाल चुनाव खत्म हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब में ईडी के छापे डलवाना शुरू कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब के लोगों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में मोदी औरंगजेब की तरह काम कर रहे हैं। पंजाब ने औरंगजेब को भी जवाब दिया था और पंजाब को कब्जाने का सपना पूरा नहीं होने दिया था। अब 2027 के चुनाव में पंजाब उन्हें जवाब देगा।

संजय और आतिशी ने भी किया हमला

आप नेता संजय सिंह, आतिशी आदि ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले अशोक मित्तल के यहां छापामारी हुई, अगले दिन उनको भाजपा में शामिल करवा लिया। संजीव अरोड़ा भाजपा में शामिल नहीं हुए तो उनके यहां फिर से छापामारी करवा दी गई है। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पंजाब में उगाही का खेल चल रहा है। केजरीवाल को मालूम है कि अरोड़ा से होते हुए जांच उन तक पहुंचेगी। इसलिए वह इसी राजनीतिक साजिश बता रहे हैं।

आप नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप बेबुनियाद नहीं : भाजपा

भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि आप नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप बेबुनियाद नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी नहीं, बल्कि केजरीवाल पंजाब में औरंगजेब जैसी कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आप छोड़ चुके एक राज्यसभा सदस्य को फर्जी मामले में गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस को भेजा गया था। वास्तव में पंजाब में केजरीवाल ही औरंगजेब की तरह व्यवहार कर रहे हैं। आज पंजाब केजरीवाल के कार्यों से परेशान है। पंजाब में पूरी आप सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जब भी उसके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, पार्टी हंगामा खड़ा कर देती है। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेण रिजीजू ने केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए उन पर भारतीय राजनीति के मानकों को गिराने का आरोप लगाया। कहा कि उनका 'अध्याय समाप्त' हो चुका है।

आप ने पंजाब की अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बाद : राघव चड्ढा

राज्यसभा सदस्य और भाजपा नेता राघव चड्ढा ने शनिवार को पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर ईडी की छापेमारी के बाद आप पर तीखा हमला बोला। कहा कि आप ने पंजाब को 'रंगला पंजाब' बनाने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय उसने राज्य की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। इसे 'कांगला पंजाब' बना दिया।